प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज महाराष्ट्र में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये राज्य में 11,200 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने पुणे मेट्रो सेक्शन और सोलापुर हवाई अड्डे का उद्घाटन किया।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:289 दिनांक:30-09-2024 सोमवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा, महाराष्ट्र के विकास के नए अध्याय की साक्षी बन रही है। अभी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से स्वारगेट सेक्शन रूट का लोकार्पण हुआ है। इस रूट पर भी अब मेट्रो चलना शुरू हो जाएगी।

सीतामढ़ी में बांध टूटा, नेपाल में बारिश से बिहार के 12 जिलों में संकट

पटना/ सुपौल/ मधुबनी : नेपाल में तीन दिनों से भारी बारिश हो रही। नेपाल ने अपना रिकॉर्ड पानी शनिवार को बिहार की कोसी और गंडक नदी में भेज दिया। इन दोनों नदियों में बाढ़ ने एक लाख लोगों को घेर लिया। अब गंगा का भी जलस्तर बढ़ने का डर है। पटना पर भी आफत है।

सीतामढ़ी जिले के बेलसंड प्रखंड स्थित मधकौल गांव के समीप बागमती तटबंध में माउस होल से हो रहे रिसाव के कारण बांध टूट गया, जिससे 15 गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। इससे 25हजार की आबादी प्रभावित हो गई है। इस घटना ने स्थानीय समुदाय के लिए गंभीर संकट उत्पन्न कर दिया है। प्रभावित गांवों में मधकौल के साथ-साथ जाफरपुर, पंडहिया, ओलीपुर, कंसार और बसौल प्रमुख हैं, जहां पांच फीट तक पानी घुस गया है। आने जाने वाले मुख्य सड़क के साथ ही ग्रामीण सड़कों पर पानी का बहाव तेज है। गंडक नदी के अत्यधिक दबाव के कारण दिनांक 29 सितंबर को 5:00 बजे शाम में पश्चिम चम्पारण जिलान्तर्गत बगहा-1 प्रखंड में गंडक नदी के बायें किनारे पर अवस्थित चम्पारण तटबंध कि0मी0 4.50 पर क्षतिग्रस्त हुआ है। तटबंध को बचाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किये जा रहे हैं। तटबंध क्षतिग्रस्त होने, कार्य में लापरवाही बरतने एवं जिला प्रशासन से उचित समन्वय न रखने के आरोप में बगहा में पदस्थापित बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता निशिकांत कुमार को निलंबित कर दिया गया है।

नेपाल प्रभाग में बारिश थमने के बाद कोसी नदी के डिस्चार्ज में भी गिरावट दर्ज की जा रही है। रात 1 बजे से ही बराह क्षेत्र और सुबह 7 बजे से भीमनगर कोसी बराज से डिस्चार्ज में गिरावट आई है। जल संसाधन विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार शाम 7 बजे भीमनगर कोसी बराज से 3 लाख 34 हजार 290 क्यूसेक घटते क्रम में डिस्चार्ज रिकॉर्ड हुआ है। वही बराह क्षेत्र से घटते क्रम में 1 लाख 88 हजार 500 क्यूसेक डिस्चार्ज रिकॉर्ड हुआ है। नेपाल प्रभाग स्थित कोसी नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में शनिवार की देर शाम बारिश थम गई है। इसके बाद नेपाल प्रभाग स्थित बराह क्षेत्र में कोसी नदी के डिस्चार्ज में भी कमी देखी गई है। शनिवार की रात 11 और 12 बजे बराह क्षेत्र से इस साल का सर्वाधिक 5 लाख 82 हजार 950 क्यूसेक डिस्चार्ज रिकॉर्ड किया गया।

बिहार में बाढ़ को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय की बैठक खत्म हो गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने की। उन्होंने बताया कि बिहार में जरूरत पड़ेगी तो लोगों को एयरलिफ्टिंग भी कराया जाएगा। इतना ही नहीं अगर जरूरत पड़ी तो एयरफोर्स को लगाकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फ़ूड पैकेजिंग भी गिराया जाएगा। सहरसा में नेपाल के जल अधिग्रहण क्षेत्र में लगातार हुई मूसलाधार बारिश और बराज से हुए अत्यधिक डिस्चार्ज से नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। जिससे पूर्वी एवं पश्चिमी कोसी तटबंध के बीच बाढ़ आ गई है। वहां बसे लोगों का बाहर निकलना लगातार जारी है। रविवार को सुबह से ही पूर्वी कोसी तटबंध पर अफरा-तफरी की स्थिति रही। कुछ लोग बाढ़ देखने आए थे तो कुछ तटबंध के बीच फंसे अपनों का हाल जानने आए थे। इससे तटबंध पर काफी भीड़ बढ़ गई और कई जगहों पर जाम की स्थिति भी बन गई। लगातार प्रशासनिक अधिकारियों का काफिला बांध पर गश्त लगा रहे हैं।

सुपौल में कोसी तटबंध के कई बिंदुओं पर पानी का भारी दवाब बढ़ रहा है। पूर्वी तटबंध के स्पर संख्या 67.60 के समीप हो रहा पानी का रिसाव हो रह है। सुपौल सदर प्रखंड के बकौर पंचायत के नेमुआ मस्जिद के पास की घटना है। पानी के रिसाव से स्थानीय लोगों में दहशत है। बाढ़ निरोधात्मक कार्य में स्थानीय प्रशासन जुटी है। मोतिहारी से सटे नेपाल में फतुआ बांध टूट जाने से पूर्वी चम्पारण जिला के ढाका प्रखंड अन्तर्गत हीरापुर, गुरहनवा, वीरता टोला, भवानीपुर, बलुआ गुआबारी, महंगुआ, दोस्तियां, महुआवा सहित दर्जनों गांव में बाढ़ का पानी फैल चुका है। शनिवार के देर रात से बारिस थमने के बाद नदी का जलस्तर अभी भी बढ़ रहा है। नदी के जल स्तर में वृद्धि को देखते हुए एसडीओ निशा ग्रेवाल ने जल संसाधन विभाग के अभियंताओं को निर्देशित किया है कि तटबंध पर हुए रैन कट को ठीक किया जाए।

पूर्णिया में लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश से जिले की नदियां उफान पर हैं। बायसी में बहने वाली महानंदा, कनकई और परमान जैसी नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। यहां हालत भयावह हैं। बायसी प्रखंड के ताराबाड़ी में कटाव ने भयावह रूप ले लिया है। यहां एक मस्जिद का ढांचा कनकई नदी में समा गया। इस घटना का 28 सेकेंड का लाइव वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि कैसे मस्जिद का ढांचा महज चंद सेकेंड में नदी में समा गया।

कोसी बांध का 74.40 स्पर के टूटने की अफवाह से लोगों के बीच हाहाकार मच गया है। अचानक कोसी नदी में जल स्तर बढ़ने से स्पर के ऊपर से पानी का बहाव शुरू होने से लोगों का जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया। जिला प्रशासन और अंचल प्रशासन बचाव कार्य में जुट गई है। जानकारी के अनुसार नवहट्टा अंचल के पूर्वी तटबंध के अंदर कासिमपुर और हाटी पंचायत के झकराहा टोला के समीप स्पर के ऊपर से पानी का बहाव हो रहा है। नवहट्टा अंचल अधिकारी ने बताया कि स्पर टूटने की बात सामने आई थी लेकिन वह टूटा नही है ऊपर से पानी का बहाव हो रहा है। बचाव और राहत कार्य शुरू कर दिया गया है। एसडीआरएफ की टीम तैनात कर दिया गया है। जान माल की क्षति नहीं हुई है।

''जब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से बाहर न कर दूं, तब तक मैं नहीं मरूंगा'' - मंच पर बीमार पड़ने पर बोले खरगे

श्रीनगर (ईएमएस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा, ''जब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से बाहर न कर दूं, तब तक मैं नहीं मरूंगा।'' इस पहले खरगे रविवार को जम्मू-कश्मीर के जसरोटा में चुनाव प्रचार के दौरान अचानक बीमार पड़ गये। मंच पर भाषण देते हुए एकाएक कांग्रेस अध्यक्ष की तबीयत बिगड़ गई। जैसे-तैसे उन्होंने खुद को संभाला। इसके बाद अन्य नेता भी उनकी मदद के लिए आगे आए। उन्हें सोफे पर बिठाकर कुछ लोग उन्हें हवा करने लगे। उनके जूते भी खोल दिए गए। बाद में उनकी हालत स्थिर हुई।

राज्यसभा सांसद ने कहा, ''मोदी जी बेवजह जम्मू-कश्मीर आकर युवाओं के लिए झूठे आंसू बहा रहे हैं। वह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने युवाओं के हित के लिए कई कदम उठाए, जबकि सच्चाई यह है कि उन्होंने अपने कार्यकाल में महज युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेला है।'' उन्होंने आगे कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भारत ने बेरोजगारी के मामले में 45 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। जम्मू-कश्मीर के सरकारी विभागों में 65 फीसद पद रिक्त हैं। इन सभी पदों पर बाहरी लोगों की नियुक्ति की जा रही है, लेकिन यहां के मूल लोगों की अनदेखी हो रही है।''

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, ''आप सभी लोगों ने देखा होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में आकर कितना झूठ बोला। उन्होंने यहां आकर कांग्रेस को कितनी गालियां दीं। इन लोगों ने किस तरह से हमारी पार्टी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। इससे साफ जाहिर होता है कि भाजपा और इनके लोग घबराए हुए हैं। भाजपा के नेताओं को अपनी हार दिख रही है, इसलिए ये लोग बौखलाए हुए हैं।''

टोल बूथ पर हर माह करोड़ों का घोटाला!

फर्जी टोल रसीद एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में छेड़छाड़ से सरकार को करोड़ों का चूना

नई दिल्ली (ईएमएस) । नेशनल हाईवे पर किस तरह से सरकार को चूना लगाया जा रहा है। इसका एक मामला हाल ही में मीडिया ने उजागर किया है। नेशनल हाईवे के नागौर के गोगेलाव और बीकानेर के पारवा टोल नाको पर टैक्स वसूली के जरिए सरकारी खजाने को बड़ा चूना लगाए जाने का मामला उजागर हुआ है। बिना फास्टैग के वाहन से नगद और यूपीआई भुगतान के जरिए फर्जी रसीदों के माध्यम से टोल टैक्स वसूल किया जाता है। जिन वाहनों पर फास्टैग लगा होता है सेंसर में गड़बड़ी करके उनसे भी टोल नाके के कर्मचारियों द्वारा नगद वसूली की जाती है। नगद टोल टैक्स वसूली में सरकार का हिस्सा गायब हो जाता है। सरकार को प्रतिदिन लाखों रुपए का नुकसान टोल चलाने वाले ठेकेदार पहुंचा रहे हैं।

फर्जी रसीदों के जरिए टोल नाकों के माध्यम से प्रतिदिन लाखों रुपए की वसूली की जा रही है। टोल नाको पर जो कैश ट्रांजैक्शन हो रहा है। उसमें सबसे ज्यादा गड़बड़ी हो रही है। इस फर्जीवाड़े में राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारी भी शामिल बताए जाते हैं।

प्रिंटर और उपकरणों में छेड़छाड़

टोल नाको पर असली प्रिंटर के साथ एक अतिरिक्त प्रिंटर जोड़ दिया जाता है। बिना फास्ट्रेक के जो गाड़ियां निकलती हैं। उन्हें एक ही बैरियर से गुजारा जाता है। इस बैरियर का प्रिंटर मोबाइल और यूपीआई से अटैच कर दिया जाता है।इसी माध्यम से सबसे बड़ा फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। जब अधिकारी चेकिंग करने के लिए आते हैं। तब अतिरिक्त प्रिंटर को हटा दिया जाता है। एक मीडिया हाउस द्वारा लगभग 3 महीने तक लगातार निगरानी करने और तथ्यों को एकजुट करने के बाद यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है। टोल नाकों पर तरह-तरह से फर्जी दस्तावेज तैयार किये जा रहे हैं। एनएचएआई को भेजी जाने वाली जानकारी और रिपोर्ट अलग होती है।ठेकेदार को भेजे जाने वाली रिपोर्ट अलग होती है।

सुनियोजित रूप से फर्जीवाड़ा

टोल नाका 24 घंटे संचालित होते हैं। यहां पर तीन शिफ्ट में डयूटी लगाई जाती है। बड़े सुनियोजित रूप से यह फर्जीवाड़ा टोल नाके के ठेकेदारों द्वारा किया जा रहा है। इस तरह की गड़बड़ी का यह मामला पहली बार खुलकर सामने आया है। जब भी इस तरह की शिकायतें नेशनल हाईवे के अधिकारियों को की जाती है। अधिकारी जांच करने की बात कहकर मामले को रफा दफा कर देते हैं। जिसके कारण सरकारी खजाने को टोल नाको के माध्यम से करोड़ों रुपए का चुनाव हर माह लगाया जा रहा है। अधिकारियों और ठेकेदारों की मिली भगत से यह गड़बड़ घोटाला पिछले कई वर्षों से चल रहा है।

पीएम मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे से की बात

जम्मू:जम्मू-कश्मीर में जनसभा को संबोधित करते समय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तबीयत बिगड़ी थी। खरगे को अचानक चक्कर आया था और वह बेहोश होने लगे, जिस पर उन्हें मंच पर मौजूद लोगों ने संभाला।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन यानी रविवार को कठुआ में जनसभा को संबोधित करने के दौरान मंच पर अचानक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तबीयत खराब हो गई थी। मंच पर भाषण देते समय कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को चक्कर आया और वह बेहोश होने लगे। हालांकि समय रहते उनके सुरक्षाकर्मी और मंच पर मौजूद अन्य कांग्रेस नेताओं ने उन्हें संभाल लिया। उन्हें पानी पिलाया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष से बात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक 7-9 अक्टूबर को,लोन महंगे नहीं होंगे

मुंबई(ईएमएस)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी मीटिंग 7-9 अक्टूबर को होगी। गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली इस मीटिंग में ब्याज दर पर फैसला लिया जाएगा। पिछली मीटिंग अगस्त को हुई थी, जिसमें कमेटी ने लगातार 9वीं बार दरों में बदलाव नहीं किया था। अक्टूबर में होने वाली मीटिंग में भी ब्याज दरों में बदलाव की उम्मीद नहीं है।

मीटिंगकेफैसलोंकीजानकारी आरबा आई गवर्नर शक्तिकांत दास 9 अक्टूबर को देंगे। ये मीटिंग हर दो महीने में होती है। आरबीआई ने आखिरी बार फरवरी 2023में दरें 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत की थीं। इससे पहले 18 सितंबर को अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.5 प्रतिशत की कटौती की थी। चार सालबादकी गई इस कटौती के बाद ब्याज दरें 4.75प्रतिशत से5.25 प्रतिशत के बीच हो गई थी। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी है, ऐसे में इसके सेंट्रल बैंक के हर बड़े फैसले का असर दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है।

2020 से 5 बार ब्याज दरें बढ़ी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने कोरोना के दौरान दो बार ब्याज दरों में 0.40 प्रतिशत की कटौती की। इसके बाद अगले 10 मीटिंग्स में सेंट्रल बैंक ने 5 बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की, चार बार कोई बदलाव नहीं किया और एक बार अगस्त 2022 में 0.50 प्रतिशत की कटौती की। कोविड से पहले 6 फरवरी 2020 को रेपो रेट 5.15 प्रतिशत पर था।

2025 तक 0.50 प्रतिशत की कटौती हो सकती है

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटजिस्ट डॉ. वी के विजयकुमार ने कहा कि भारत में मार्च 2025 तक 0.50 प्रतिशत की कटौती हो सकती है। आरबीआई ने 8 फरवरी 2023 के बाद से ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। अभी रेपो रेट 6.50 प्रतिशत है। वॉलफोर्ट फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के फाउंडर विजय भराड़िया ने कहा की कि दर में कटौती एक साहसिक कदम है जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सहित अन्य वैश्विक केंद्रीय बैंकों को सॉफ्टर मॉनेटरी स्टांस अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।

महंगाई से लडऩे का शक्तिशाली टूल है पॉलिसी रेट

किसी भी सेंट्रल बैंक के पास पॉलिसी रेट के रूप में महंगाई से लडऩे का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है, तो सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है। पॉलिसी रेट ज्यादा होगी तो बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में बैंक अपने ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देते हैं। इससे इकोनॉमी में मनी फ्लो कम होता है। मनी फ्लो कम होता है तो डिमांड में कमी आती है और महंगाई घट जाती है। इसी तरह जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है और ग्राहकों को भी सस्ती दर पर लोन मिलता है।

राम रहीम ने 11वीं बार पैरोल मांगी

चंडीगढ़(ईएमएस)। हरियाणा चुनाव के बीच साध्वियों के यौन शोषण और कत्ल केस में 20 साल कैद काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम ने सरकार से इमरजेंसी पैरोल मांगी है। राम रहीम ने जेल विभाग को आवेदन कर 20 दिन की पैरोल देने के लिए कहा है। इस दौरान उसने उत्तर प्रदेश के बरनावा आश्रम में रहने की बात कही है। राम रहीम 13 अगस्त को ही 21 दिन की फरलो पर बाहर आया था। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लगी हुई है।

इस वजह से सरकार ने राम रहीम के आवेदन को मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास भेजा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर पैरोल को लेकर सवाल पूछे हैं।

पत्र में पूछा गया है कि चुनाव के टाइम किसी दोषी को पैरोल पर रिहा करना कितना सही है? डेरा प्रमुख इस समय हरियाणा के रोहतक की सुनारिया जेल में बंद हैं। चुनाव के लिहाज से देखें तो राम रहीम का हरियाणा के सिरसा, अंबाला, कुरुक्षेत्र और हिसार जिले में खासा प्रभाव है। इन चारों जिलों में करीब 36 विधानसभा सीटें आती हैं। हरियाणा में 5 अक्टूबर को वोटिंग होनी है। 8 अक्टूबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

पुरानी घटनाओं को छोड़कर आज की घटनाओं के लिए जवाबदेही तय हो

-सांसद मीसा भारती ने कुशवाहा के लगाए आरोपों पर दी प्रतिक्रिया

पटना,(ईएमएस)। पाटलिपुत्र से लोकसभा सांसद मीसा भारती ने आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव और अपने पिता के बिहार-बलात्कार संबंधी पोस्ट पर उपेंद्र कुशवाहा के बयान पर प्रतिक्रिया दी। रविवार को पटना में मीसा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोग वर्तमान घटनाओं को छोड़कर 20-22 साल पुराने मुद्दों पर बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने देखा है कि आज की घटनाओं के लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। यह स्पष्ट है कि प्रशासन पर सीएम की पकड़ कमजोर हो रही है।

मीसा ने राज्य में बाढ़ की गंभीर स्थिति पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति गंभीर है। हम सभी ने इसे देखा है। बिहार सीएम नीतीश कुमार और उनके मंत्री इसे संभालने में जुटे होंगे, लेकिन जनता को भी यह जानना जरूरी है कि सरकार क्या कदम उठा रही है। हमें उम्मीद है कि सीएम इस मामले में गंभीर होंगे।

बता दें लालू प्रसाद यादव के बिहार-बलात्कार पर किए गए पोस्ट पर उपेंद्र कुशवाहा ने कहा था कि यह बिहारी अस्मिता पर हमला है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि लालू के शासनकाल में अपराधियों को संरक्षण मिलता था। आज बिहार में कोई संगठित अपराध नहीं है, जबकि आपके (लालू) के समय में स्थिति बिलकुल अलग थी। इस प्रकार बिहार की राजनीतिक स्थिति और सुरक्षा मुद्दों पर बहस जारी है, जिसमें प्रमुख दलों के नेता एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। यह मामला राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति को दर्शाता है, जहां विपक्ष सरकार की नीतियों और कार्यों पर सवाल उठा रहा है।

कठुआ में एक आतंकी ढेर

श्रीनगर(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में बिलावर तहसील स्थित कोग-मंडली में रविवार को दूसरे दिन भी सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। अधिकारियों ने बताया कि दोपहर एक आतंकी मारा गया है। उसका शव बरामद हो गया है। जम्मू जोन के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस आनंद जैन ने बताया कि सुरक्षाबलों ने शनिवार, 28 सितंबर को सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। उन्हें तीन से चार विदेशी आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी।

हरियाणा में भाजपा ने निर्दलीय चुनाव लड़ रहे 8 नेताओं को पार्टी से निष्कासित किया

चंडीगढ़ (ईएमएस)। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की तरफ से बागियों पर अनुशासन का डंडा चलाया गया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने निर्दलीय चुनाव लड़ रहे 8 नेताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली की तरफ से जारी आदेश के अनुसार लाडवा सीट से बागी उम्मीदवार संदीप गर्ग, असन्ध सीट से बागी प्रत्याशी जिलेराम शर्मा, गन्नौर सीट से देवेंद्र कादयान, सफीदो से बच्चन सिंह आर्य, रानिया से रणजीत चौटाला, महम से राधा अहलावत, गुरुग्राम से नवीन गोयल और हथीन से चुनाव लड़ रहे केहरसिंह रावत को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।

रानिया सीट से मैदान में उतरे पूर्व मंत्री रणजीत चौटाला ने बीजेपी से टिकट नहीं मिलने के बाद कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। बीजेपी की पहली लिस्ट से अपना नाम गायब देखने के बाद रणजीत सिंह चौटाला ने अपने समर्थकों की एक बैठक बुलाई थी।बाद में उन्होंने बागी उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया था।

आईफा 2024 में शाहरुख-रानी का रहा दबदबा, रणबीर की फिल्म के नाम रहे कई अवॉर्ड

नई दिल्ली(ईएमएस)। अबू धाबी में आयोजित आईफा 2024 अवॉर्ड समारोह में फिल्म अभिनेता शाहरुख और अभिनेत्री रानी मुखर्जी का अच्छा खासा दबदबा रहा। वहीं कई अवार्ड रणवीर कपूर की फिल्म के नाम भी रहे।पिछले साल रिलीज हुई बॉलीवुड की बेहतरीन फिल्मों को सम्मानित किया गया। शाहरुख खान से लेकर रानी मुखर्जी ने अपने शानदार अभिनय के लिए अवॉर्ड जीते। शाहिद कपूर, अनन्या पांडे, कृति सेनन, करण जौहर, ऐश्वर्या राय सहित कई सितारे इस फंक्शन में शामिल हुए थे। शाहरुख खान की पिछले साल तीन फिल्में आई थीं। उन्हें उनकी दमदार एक्टिंग के लिए पिछले साल रिलीज हुई 'जवान' के लिए बेस्ट एक्टर अवॉर्ड मिला। वहीं रानी मुखर्जी को उनकी कमबैक फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला।

बेस्ट एक्ट्रेस के लिए रानी मुखर्जी ('मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे'),बेस्ट एक्टरः शाहरुख खान (जवान),बेस्ट डायरेक्टरः विधु विनोद चोपड़ा – 12वीं फेल,

बेस्ट फिल्मः एनिमल,बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेसः शबाना आजमी (रॉकी और रानी की प्रेम कहानी),बेस्ट परफॉर्मेंस इन नेगेटिव रोलः बॉबी देओल (एनिमल),

बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शनः प्रीतम, विशाल मिश्रा, मानव भारद्वाज, श्रेयस पुराणिक, जानी, भूपिंदर बब्बाल, अशीम केमसन, हर्षवर्धन रामेश्वर (एनिमल)

बेस्ट प्लेबैक सिंगर (मेल): भूपिंदर बब्बल-अर्जन वेल्ले(एनिमल) बेस्ट प्लेबैक सिंगर (फीमेल): शिल्पा राव (जवान) शामिल हैं।

इसी तरह स्पेशल अवॉर्ड्स भी प्रदान किए गए हैं, भारतीय सिनेमा में उत्कृष्ट उपलब्धिः हेमा मालिनी, डेब्यूटंट ऑफ द ईयरः अलिजेह अग्निहोत्री, सर्वश्रेष्ठ कहानीः इशिता मोइत्रा, शशांक खेतान, सुमित रॉय – रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, सर्वश्रेष्ठ गीतः सिद्धार्थ सिंह और गरिमा वहल – सतरंगा (एनिमल), सिनेमा में 25 साल पूरे करने पर उपलब्धि- करण जौहर,बॉलीवुड सितारों ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस से इस रात को और भी यादगार बना दिया। शाहिद कपूर, कृति सेनन, विक्की कौशल ने स्टेज पर दमदार डांस परफॉर्मेंस दी। शाहिद कपूर का प्रभु देवा और कृति सेनन संग डांस देख दर्शक उत्साह से झूम उठे।

नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट

सीआरपीएफ के पांच जवान घायल

बीजापुर(ईएमएस)। बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक के तररेम और गुंडम क्षेत्र में रविवार की सुबह सर्चिंग पर निकले सीआरपीएफ जवान नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईडी की चपेट में आ गए। इस हमले में पांच जवान घायल हो गए। घायल जवानों को अस्पताल ले जाया गया है। इस घटना के बाद किसी भी तरह से कोई फायरिंग नहीं हुई। यह पूरी घटना चिन्नागलूर कैम्प से करीब 350 मीटर की दूरी पर हुई है।

मामले के बारे में जानकारी देते हुए आला अधिकारियों ने बताया कि रविवार की सुबह सीआरपीएफ 153 बटालियन के जवान सर्चिंग पर निकले हुए थे, कैप से जैसे ही 350 मीटर की दूरी पर पहुंचे कि अचानक से ब्लास्ट हो गया। पीछे चल रहे साथी मोर्चा संभालते हुए तुरंत तैनात हो गए। लेकिन इस दौरान किसी भी तरह से कोई भी गोलीबारी नहीं हुई। जवानों ने तत्काल ही घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया। इस आईडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ 153 बटालियन के पांच जवान घायल हुए हैं।

सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट के जज नहीं करना चाहते संपत्ति का खुलासा

सुप्रीम कोर्ट के 33 जजों में 27 जजों ने दी जानकारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में 25 हाईकोर्ट के 789 जजों में से मात्र 98 जजों ने अपनी संपत्ति के बारे में जानकारी दी है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के 33 जजों में से 27 जजों ने अपनी संपत्ति की जानकारी, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को दी है। सुप्रीम कोर्ट के 6 जजों ने अभी तक कोई जानकारी नहीं दी है।

संसद की कार्मिक लोक शिकायत और न्याय समिति ने 1 साल पहले सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की संपत्ति और देनदारी का अनिवार्य रूप से खुलासा करने की अनुशंसा की थी। इस अनुशंसा के बाद भी हाईकोर्ट के जजों में संपत्ति का खुलासा करने में कोई रुचि नहीं ली है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका के फैसलों से आम जनता के बीच में न्यायपालिका की साख कम हुई है। उसको देखते हुए यह माना जा रहा है। जजों को अपनी संपत्ति का खुलासा करना चाहिए।

कुछ जजों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। जजों ने स्वयं की संपत्ति, आश्रितों की संपत्ति तथा पत्नी की संपत्ति की जानकारी दी है। कुछ जजों ने अपने शेयर, जीवन बीमा पॉलिसी और म्युचुअल फंड की जानकारी भी वेबसाइट पर अपलोड की है।

एक रिपोर्ट से प्राप्त हुई जानकारी के अनुसार हाईकोर्ट के जिन जजों ने वेबसाइट पर अपनी जानकारी उपलब्ध कराई है। उसमें केरल हाईकोर्ट के 39 जजों में से 37 जजों ने, पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के 35 में से 31 जजों ने, दिल्ली हाईकोर्ट के 39 में से 11 जजों ने, हिमाचल प्रदेश के 12 में से 10 जजों द्वारा,छत्तीसगढ़ के 17 में से 2,कर्नाटक के 50 जजों में से मात्र 2 और मद्रास हाई कोर्ट के 62 जजों में से केवल पांच ने अपनी जानकारी उपलब्ध कराई है।

पिछले कुछ वर्षों में आम नागरिकों को न्यायपालिका की कार्यप्रणाली और जजों के फैसलों को लेकर समय-समय पर विवादित स्थिति बनती रही है। सरकार ने अभी इस संबंध में कोई कानून नहीं बनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने 7 मई 1997 को एक प्रस्ताव के जरिए न्यायाधीशों को अपनी और परिवार जनों की संपत्ति की जानकारी भारत के मुख्य न्यायाधीश को देने का नियम बनाया था। 1 साल पहले संसद की कार्मिक लोक शिकायत और न्याय समिति ने भी इसकी अनुशंसा की थी। इसके बाद भी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जेएस वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में जो निर्णय लिया गया था। उसके अनुसार जानकारी प्रस्तुत नहीं कर रहे हैं।

आज से 25 नवंबर तक कीजिए एक साथ दो-दो चांद के दीदार

नई दिल्ली(ईएमएस)। आज यानी 29 सितंबर से अंतरिक्ष में आप एक साथ दो दो चांद के दीदार कर सकते हैं। सिर्फ आज ही नहीं बल्कि 25 नवंबर तक इन्हे देखा जा सकता है। लेकिन आपको बहुत ज्यादा उत्साहित होने की जरुरत नहीं है,क्योंकि ये दूसरा वाला चांद केवल विशेष टेलीस्कोप से ही देखना संभव हो पाएगा।

यह दूसरा चांद वास्तव में एक विशालकाय एस्ट्रॉयड है, जिसे 2024 पीटी 5 कहा जा रहा है। यह एस्ट्रॉयड धरती की परिक्रमा कर रहा है और 25 नवंबर तक यह नजदीक रहेगा। इसके बाद यह सूर्य की कक्षा में चला जाएगा। इस मिनी मून की खोज 7 अगस्त को की गई थी। इसका आकार 10 फीट से 138 फीट तक हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह एस्ट्रॉयड वर्तमान में 2200 मील प्रति घंटा (3540 किलोमीटर प्रति घंटा) की गति से धरती का चक्कर काट रहा है। इसकी दूरी धरती से लगभग 2।6 मिलियन मील है। इस दूसरे चांद को मिनी मून नाम दिया गया है। इस खगोलीय घटना को देखना खगोल विज्ञान के शौकीनों के लिए एक चमत्कार जैसा होगा। नासा के वैज्ञानिक इस मिनी मून पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। हालांकि, इसे नंगी आंखों से देख पाना संभव नहीं होगा। इस खगोलीय घटना का अनुभव लेने के लिए विशेष टेलीस्कोप की आवश्यकता होगी। एक दिलचस्प रिपोर्ट के अनुसार, इस मिनी मून का महाभारत से भी एक खास कनेक्शन है। स्पेन के यूनिवर्सिडैड कॉम्प्लूटेंस डी मैड्रिड के शोधकर्ताओं ने बताया है कि इस मिनी मून की विशेषताएँ अर्जुन एस्ट्रॉयड बेल्ट से मेल खाती हैं। यह बेल्ट महाभारत के प्रमुख किरदार अर्जुन के नाम पर रखी गई है, और इसका नाम अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ (आईएयू) द्वारा मान्यता प्राप्त है।

वर्धमान ग्रुप के मालिक से 7 करोड़ ठगे

-सुप्रीम कोर्ट के प्रॉपर्टी सीलिंग-गिरफ्तारी के फर्जी ऑर्डर-वारंट दिखाकर डराया

लुधियाना (ईएमएस)। मशहूर टैक्सटाइल-स्पिनिंग कंपनी वर्धमान ग्रुप के चेयरमैन एसपी ओसवाल से 7 करोड़ की ठगी हो गई। ठगी करने वालों ने सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर के नाम पर उन्हें गिरफ्तारी और बदनामी का डर दिखाया। उन्हें प्रॉपर्टी सीलिंग और अरेस्ट करने के फर्जी वारंट भेजे। जिसके बाद उनसे रकम ले ली। जब एसपी ओसवाल को ठगी की भनक लगी तो उन्होंने लुधियाना पुलिस को शिकायत दे दी। पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज करते हुए एक ठग को गिरफ्तार कर लिया है।

वर्धमान ग्रुप के मालिक एसपी ओसवाल को साल 2010 में केंद्र सरकार की तरफ से पद्म भूषण अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। वर्धमान ग्रुप देश की नामी कंपनियों में से एक है। आज इंडिया के अलावा इस ग्रुप की विदेशों में भी कई ब्रांच हैं।

सीमा पार से लाई गई हेरोइन और हथियार बरामद

अमृतसर,(ईएमएस)। पंजाब पुलिस की एसएसओसी को सीमा पार से मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। राज्य विशेष संचालन सेल (एसएसओसी) अमृतसर ने रविवार को सीमा पार हेरोइन तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है और 6 किलोग्राम हेरोइन, 67 जिंदा कारतूस, 2 मैगजीन, 6 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि इस संबंध में एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है।

मुंबई में दो टयूशन शिक्षक 13 वर्षीय स्कूली छात्रा का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई में शैडो लर्निंग अकादमी के दो टयूशन शिक्षकों को एक 13 वर्षीय स्कूली छात्रा का यौन शोषण करने और अनुचित तस्वीरें दिखाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक आरोपी शिक्षक फरार है। दक्षिण मुंबई के एल।टी। मार्ग पुलिस स्टेशन के सूत्रों के अनुसार, तीनों ने यह कृत्य कई बार किया था। हाल ही में लड़की ने एक परामर्शदाता को अपनी आपबीती सुनाई। नाबालिग लड़की की मां तलाकशुदा है, इसलिए स्थिति का फायदा उठाते हुए और इस तथ्य का कि उसके घर पर कोई पुरुष नहीं था, तीनों ने बार-बार उसके साथ छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न जारी रखा।

पुलिस ने गौतम और तरुण राजपुरोहित को गिरफ्तार कर लिया है जबकि तीसरा आरोपी सत्यराज फरार है। उन्हें 28 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था और 30 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ऐसा बार-बार किया। शुरुआत में मां शिकायत दर्ज कराने के लिए अनिच्छुक थी, लेकिन काउंसलर को उसे मनाना पड़ा। हमने नाबालिग लड़की का बयान दर्ज कर लिया है।आरोपी उसे बेडरूम के अंदर ले जाता था और अनुचित और यौन रूप से स्पष्ट तस्वीरें और वीडियो दिखाता था।

उन पर धारा 354, 376 (2) (बलात्कार), 377 (अप्राकृतिक यौन संबंध) और पोक्सो अधिनियम की धारा 12, 4, 8 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जन हितैषी

इजराइल के खौफ से सारी दुनिया सहमी, संयुक्त राष्ट्र संघ और हाथी के दांत

इजराइल का खौफ सारी दुनिया में छा गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्था भी इजराइल के सामने अपने आप को वेबश मान रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ के युद्ध विराम के निर्देश को इजराइल ने नहीं माना। संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक से बाहर निकलने के तुरंत बाद लेबनान में हिजबुल्लाह के मुख्यालय में भारी बमबारी कर एक नए युद्ध का शंखनाद इजराइल ने कर दिया है। हिजबुल्ला के प्रमुख सैयद हसन नसरुल्लाह के साथ कई लोग इस हमले में मारे गए। हिजबुल्ला का मुख्यालय शहरी इलाके में था। 80 टन बारूद के बमों से हमले किए गए। 40 फ़ीसदी बेरूत बर्बाद हो गया है। हजारों लोगों की मौत हो गई है। यहां के लोगों को सड़कों पर आकर रहना पड़ रहा है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने जिस तरह से संयुक्त राष्ट्र संघ के मंच से लेबनान को तबाह करने की धमकी देते हुए विश्व जनमत को न केवल हतप्रभ किया था। वरन लेबनान पर हमला करके जो तबाही बेरूत में मचाई है, उसके बाद सारी दुनिया के देश इजराइल से खौफजदा हो गए हैं। इजराइल और हमास का युद्ध जब से शुरू हुआ है। उसके बाद लेबनान के साथ भी इजराइल का युद्ध शुरू हो गया है। तब से लेकर अभी तक लगभग 80000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। 13 मई 2024 को संयुक्त राष्ट्र संघ की जो रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी। उसके अनुसार 35000 से ज्यादा लोग गाजा पट्टी में सामान्य नागरिक एवं हमास के लोग मारे जा चुके थे। इनमें से 7797 नाबालिग बच्चे, 4959 महिलाएं और 19924 बुजुर्गों की पहचान की गई थी। इजराइल ने अस्पताल और राहत शिविरों में भी लगातार बमबारी की। रेड क्रॉस जैसी संस्था औचित्यहीन हो गई। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने जिस तरह की चेतावनी अभी हिज्बुल्लाह संगठन को लेकर दी है, वैसी ही चेतावनी कई माह पहले उन्होंने हमास को लेकर दी थी। जिस तरह का नरसंहार इजराइल द्वारा किया जा रहा है। उसके बाद अब नर पिसाच के रूप में भी नेतन्याहू की पहचान सारी दुनिया में बनने लगी है। इजराइल ने जिस तरह से लेबनान में सिल-सिलेबार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में धमाके कराकर हिजबुल्लाह के लड़ाकुओं को अपने निशाने पर लिया। यह युद्ध का एक नया तरीका था। इजराइल ने लेबनान में करीब 5000 से अधिक पेजर में ब्लास्ट कराकर हजारों हिजबुल्लाह के लडाकुओं को एक साथ समाप्त कर दिया। कई स्थानों पर वॉकी-टॉकी में भी विस्फोट हुए। इसके बाद सारी दुनिया के देशों में इजराइल को लेकर एक नई दहशत फैल गई है। इजराइल ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से इलेक्ट्रॉनिक और संचार उपकरणों के माध्यम से जासूसी और ट्रैकिंग का एक जाल बिछाया है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अब हथियार बनाकर इजराइल द्वारा जो हमले किए जा रहे हैं। इस युद्ध की नवीन तकनीकी से इजराइल के सहयोगी देश भी दहशत में आ गए हैं। अमेरिका जैसा देश भी इजराइल से भयभीत हो गया है। यह सब आश्चर्यचकित करने वाला है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु के पास जो ताकत है, उसके बाद से वह अपनी ताकत को लेकर मदमस्त हैं। वह सारी दुनिया को अपनी उंगलियों में नचाने की मुद्रा में आ गए हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ में उन्होंने जो कहा है। उससे ऐसा ही प्रतीत हो रहा है। सारी दुनिया के देश यह समझने में लगे हैं। इजराइल के पास ऐसी कौन सी ताकत है, जिसके कारण इजराइल सारी दुनिया के देशों के लिए एक चुनौती बन गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री जिस तरह से ईरान और अन्य देशों को खुलेआम धमकी दे रहे हैं। उसके बाद से सारी दुनिया के देशों में एक अज्ञात भय देखने को मिल रहा है। ईरान के राष्ट्रपति को अज्ञात स्थान पर भेज दिया गया है। इजराइल ने जिस तरह से संचार माध्यमों को अपना हथियार बनाया है। बहुत कम खर्चे में हजारों किलोमीटर दूर बैठकर अपने विरोधियों को खत्म करने की जो नई तकनीकी इजराइल के पास है। उससे सारी दुनिया में भय फैल गया है। यह पागलपन इजराइल के लिए भी संकट का कारण बन सकता है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सिर में जिस तरह का खून सवार है। वह अपने और परायों का भी भेद नहीं कर पा रहे हैं। अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र संघ की बात भी नहीं मान रहे हैं। ऐसी स्थिति में दुनिया के देश तबाही के नए कगार पर आकर खड़े हैं। इजराइल के संकट से निपटने के लिए दुनिया के कई देश एकजुट होकर इजराइल का मुकाबला करने के लिए तैयार होते दिख रहे हैं। एक बार फिर सारी दुनिया में तृतीय विश्व युद्ध जैसे हालात बनते हुए दिख रहे हैं। इसमें कितनी तबाही होगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। पिछले 100 सालों में दुनिया के देशों में जो सामाजिक और आर्थिक विकास हुआ है। तकनीकी के इस दौर में, उसे किस स्तर तक बचा के रखा जा सकता है। यह एक बड़ी चुनौती दुनिया के देशों के सामने आकर खड़ी हो गई है। जब लड़ाई होती है, तो दोनों ही पक्षों को भारी नुकसान होता है। निश्चित रूप से लड़ाइयों से किसी का फायदा होने वाला नहीं है। इजराइल की अर्थव्यवस्था दिनों-दिन खत्म होती जा रही है। इजराइल के नागरिकों का जीवन नारकीय हो गया है। इस युद्ध से इजराइल को क्या मिलेगा, यह कहना मुश्किल है। इजराइल के राष्ट्राध्यक्ष के रूप में नेतन्याहू को ताकत का जो अहंकार आ गया है, उसे वह जरूर पूरा होता हुआ मान रहे होंगे। दुनिया के सामने सबसे ताकतवर व्यक्ति नेतन्याहू बनना चाहते हैं। अभी तक तो उन्हें सफलता मिलती जा रही है। जो जीता वही सिकंदर की तर्ज पर नेतन्याहू ने इतिहास में अपना एक नया नाम दर्ज कर लिया है। इसमें कोई संदेह नहीं है।

धर्मनिरपेक्षताः पश्चिमी या आधुनिक?

भारत का स्वाधीनता संग्राम बहुवादी था और उसका लक्ष्य था धर्मनिरपेक्ष एवं प्रजातान्त्रिक मूल्यों की स्थापना। यह हमारे संविधान की उद्देशिका से भी जाहिर है, जिसमें स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मूल्यों को स्थान दिया गया है। संविधान के कई अनुच्छेदों का लक्ष्य सामाजिक न्याय की स्थापना है। समानता से आशय है हर नागरिक - चाहे उसकी जाति, लिंग या धर्म कोई भी हो - को समान दर्जा देना। संविधान के अधिकांश प्रावधान धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों पर आधारित हैं।

'धर्मनिरपेक्षता' - यह शब्द उद्देशिका में नहीं है मगर धर्मनिरपेक्षता, संविधान की नींव है, उसका निचोड़ है। संविधान का मसविदा डॉ आंबेडकर ने तैयार किया था, मगर उसके निर्माण में अलग-अलग राजनैतिक ताकतों ने भूमिका निभायी थी। संविधान को 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था।

हिन्दू राष्ट्रवादियों ने संविधान का इस आधार पर विरोध किया कि वह हमारे पवित्र ग्रंथों में निहित लैंगिक और जातिगत पदक्रम के चिरकालिक मूल्यों को प्रतिबिंबित नहीं करता। आरएसएस के मुखपत्र द आर्गेनाइजर ने 19 नवम्बर 1949 को लिखा, ''हमारे संविधान में प्राचीन भारत की अद्वितीय सांविधानिक विकास यात्रा के भी कोई निशान नहीं हैं। स्पार्टा के लाइकर्जस या फारस के सोलन से भी काफ़ी पहले मनु का क़ानून लिखा जा चुका था। आज भी मनुस्मृति की दुनिया तारीफ़ करती है। भारतीय हिंदुओं के लिए तो वह सर्वमान्य व सहज स्वीकार्य है, मगर हमारे सांविधानिक पंडितों के लिए इस सब का कोई अर्थ नहीं है।''

हिन्दू राष्ट्रवादी हमारे धर्मनिरपेक्ष, प्रजातान्त्रिक गणतंत्र को हिन्दू राष्ट्र बताते रहे हैं और यह शाखाओं में दिए जाने वाले प्रशिक्षण का हिस्सा था और है। भारत की दूसरी सरकारें धर्मनिरपेक्ष नीतियों पर चलने का प्रयास करती रहीं हैं और धार्मिक अल्पसंख्यकों के हितार्थ कई सकारात्मक कदम उठाये गए हैं। शाहबानो मामले में गलत निर्णय लेने के बाद से, दक्षिणपंथियों की ताकत बढ़नी शुरू हुई। वे धर्मनिरपेक्षता का मजाक उड़ाने के लिए उसे 'छद्म' कहने लगे और 'सिक्युलर' जैसे शब्द इस्तेमाल करने लगे। उसके बाद संविधान को बदलने की मांग उठी। पहले वाजपेयी सरकार ने भारत के संविधान की समीक्षा के लिए वेंकटाचलैया आयोग बनाया। उसने अपनी सिफारिशें भी प्रस्तुत कर दीं मगर उनका इतना विरोध हुआ कि उन्हें ठन्डे बस्ते में डाल दिया गया।

के। सुदर्शन ने सन 2000 में आरएसएस का सरसंघचालक बनने के बाद कहा कि भारत का संविधान पश्चिमी मूल्यों पर आधारित है और उसकी जगह ऐसे संविधान को लेनी चाहिए जो भारतीय पवित्र पुस्तकों पर आधारित हो। भाजपा के कई बड़े नेताओं ने संविधान को बदलने को अपनी मुख्य मांग बना लिया। अनंतकुमार हेगड़े उनमें से एक थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय संविधान को बदले जाने की ज़रूरत है। हाल में हुए लोकसभा आमचुनाव (2024) में 'अबकी पार चार सौ पार' का नारा इसी लिए दिया गया था ताकि नई सरकार संविधान बदलने की स्थिति में रहे। और एक कारण जिसके चलते भाजपा को चुनाव में नुकसान उठाना पड़ा वह यह था कि इंडिया गठबंधन के नेताओं ने संविधान की प्रति अपने हाथ में पकड़कर यह कहना शुरू कर दिया कि उनका प्राथमिक लक्ष्य संविधान की रक्षा करना है।

इसी पृष्ठभूमि में हाल में तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन। रवि का एक वक्तव्य सामने आया है। उन्होंने कहा, ''धर्मनिरपेक्षता भारतीय अवधारणा नहीं है। यह यूरोपीय अवधारणा है। उसे वहीं रहने दें। उन्हें उसका आनंद लेने दें। मगर भारत अपने धर्म से दूर कैसे जा सकता है?'' राज्यपाल महोदय ने ये वचन कन्याकुमारी के तिरुवत्तर में हिंदू धर्म विद्या पीठम के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुई कहे। उन्होंने नेहरु-पटेल और इंदिरा गाँधी को एक-दूसरे के खिलाफ बताने का प्रयास भी किया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के निर्माता नेहरु और अम्बेडकर नहीं चाहते थे कि देश का संविधान धर्मनिरपेक्ष हो और इसलिए यह शब्द उद्देशिका का हिस्सा नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि चूँकि इंदिरा गाँधी राजनैतिक रूप से असुरक्षित महसूस कर रहीं थीं इसलिए उन्होंने उद्देशिका में यह शब्द जोड़ा। यह बताने का प्रयास कर रहे थे कि धर्म, दरअसल, मनुस्मृति और अन्य हिन्दू धार्मिक ग्रंथों में वर्णित धार्मिक कर्तव्यों और वर्ण व जाति पर आधारित सामाजिक संरचना से भिन्न है। हर धर्म का एक नैतिक पक्ष होता है - जैसे इस्लाम में दीन और ईसाईयत में 'एथिक्स'। उनके अनुसार, धर्मनिरपेक्षता, धर्म-विरोधी है। एक तरह से वे सही कह रहे हैं क्योंकि धर्मनिरपेक्षता सभी धर्मों और आस्थाओं के लोगों को समान दर्जा देती है। भारत के मामले में धर्म, घोर असमानता का पैरोकार है।

ऐसा लगता है कि राज्यपाल इस तथ्य से अनजान हैं कि यद्यपि संविधान की उद्देशिका में धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं है तथापि, हमारा संपूर्ण संविधान बहुवाद, धर्मनिरपेक्षता और विविधता पर आधारित है। केवल इस आधार पर धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी अवधारणा नहीं कहा जा सकता क्योंकि उसका जन्म पश्चिम में हुआ था। धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा की शुरुआत, पश्चिम में औद्योगिक क्रांति के साथ हुई। इसके साथ ही, वहां प्रजातंत्र और बहुवाद को भी स्वीकार्यता मिली। धर्मनिरपेक्षता एक आधुनिक अवधारणा है। इसका जन्म तब हुआ जब औद्योगिकरण के नतीजे में उद्योपतियों और श्रमिक वर्ग के उदय और महिलाओं की समानता के संघर्ष ने पुरोहित वर्ग और राजा के सामंती गठबंधन को चुनौती दी।

रवि धर्मनिरपेक्षता को केवल चर्च और राजा के बीच सत्ता संघर्ष से जोड़ना चाहते हैं। पश्चिम में पुरोहित वर्ग का सुपरिभाषित ढांचा था और राज्य सत्ता से उसके रिश्ते स्पष्ट थे। दुनिया के अन्य क्षेत्रों में भी कुछ-कुछ ऐसा ही था। हिन्दुओं में राजा-राजगुरु की जोड़ी थी और इस्लाम में नवाब-शाही इमाम की। राजा (जो सामंती व्यवस्था के शीर्ष पर था) और संगठित धर्म का बोलबाला था। उपनिवेशों, विशेषकर भारत में, एक और औपनिवेशिकता थी तो दूसरी ओर उद्योपतियों, श्रमिकों, महिलाओं और शिक्षित वर्गों के धर्मनिरपेक्ष-बहुवादी संगठन थे। इन्हीं वर्गों ने धर्मनिरपेक्षता के पौधे को पालापोसा।

अस्त होती सामंती ताकतें, मुस्लिम लीग, हिन्दू महासभा और आरएसएस जैसे सांप्रदायिक संगठनों के रूप में सामने आईं। वे धर्म का लबादा ओढ़ कर 'ईश्वर द्वारा निर्धारित' सामाजिक व्यवस्था, जिसमें वे सर्वेसर्वा थे, को जिंदा रखना चाहती थीं। भारत में हिन्दू धर्म के बारे में कहा जाता है कि वह पारंपरिक अर्थ में धर्म नहीं है। यह केवल लोगों को भ्रमित करने का तरीका है। जो लोग धर्म का रक्षक होने का दावा करते हैं वे दरअसल जाति और लिंग पर आधारित प्राचीन ऊंच-नीच को बनाए रखना चाहते है। ये ताकतें प्रजातंत्र के आगाज़ से पहले की दुनिया वापस लाना चाहती हैं। वे नहीं चाहतीं कि हर व्यक्ति का एक वोट हो। वे चाहतीं हैं कि राजा को ईश्वर से जोड़ा जाए और पुरोहित वर्ग उसे सहारा दे।

इस तरह की ताकतों को स्वयं को मजबूती देने के लिए एक शत्रु की ज़रुरत पड़ती है। भारत में वह शत्रु मुसलमान है। खाड़ी के कई देशों में वह शत्रु ईसाई है। वहां भी महिलाओं का दमन किया जाता है। 'मुस्लिम ब्रदरहुड' भी कहता है कि धर्मनिरपेक्षता पश्चिमी अवधारणा है। कई लोगों ने यह कहा है कि वर्तमान संविधान के रहते, रवि राज्यपाल बने रहने के काबिल नहीं हैं। उनका असली उद्देश्य क्या रहा होगा? एक नेता के अनुसार इस तरह के बयान इसलिए दिलवाए जाते हैं ताकि उन पर होने वाली प्रतिक्रिया को परखा जा सके, यह देखने के लिए कि प्रजातंत्र-विरोधी बातों को जनता किस रूप में लेती है।

आज धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा को रोकने की ज़रुरत तो है ही। इसके साथ ही धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को संरक्षित रखने की ज़रुरत भी है। आखिर धर्मनिरपेक्षता और प्रजातंत्र एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। (लेखक -राम पुनियानी/ईएमएस) (अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

कहीं बलि की बकरी न बन जाएँ सीतारमण

लेबनान में नसरल्लाह की मौत और जम्मू-कश्मीर तथा हरियाणा के चुनावी शोरगुल में एक बड़ी खबर दबकर रह गयी । ये खबर बहुचर्चित इलेक्टोरल बांड से जुड़ी है । इस खबर के मुताबिक बेंगलुरु में चुने हुए प्रतिनिधियों के लिए नामित मैजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के बाद इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और प्रवर्तन निदेशालय के ख़िलाफ़ जबरन वसूली और आपराधिक साज़िश का मुक़दमा दर्ज कर लिया गया है।

निर्मला सीतारमण जी इस देश की सबसे सबल और निर्मल वित्तमंत्री हैं। वे रक्षा मंत्री तो अच्छी साबित नहीं हुईं किन्तु बतौर वित्तमंत्री उन्होंने भाजपा की नयी और पुरानी सरकार के लिए ऐसे-ऐसे सीताराम बजट बनाये की सरकार की बल्ले-बल्ले हो गयी और जनता आह भी नहीं भर पायी, जबकि उसके हिस्से में सिवाय मंहगाई और करों के बोझ के अलावा कुछ नहीं आया । वे माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी मंत्रिमंडल की पहली महिला सदस्य हैं जिनके खिलाफ कोई मामला दर्ज किया गया है। दरअसल ये मुकदमा तो बिट्टू के खिलाफ होना चाहिए था। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गाँधी को देश का आतंकी नंबर वन कहा था।

आपको बता दूँ कि कोर्ट ने ये फ़ैसला आदर्श अय्यर की याचिका पर सुनाया था. आदर्श जनाधिकार संघर्ष परिषद (जेएसपी) के सह-अध्यक्ष हैं. उन्होंने मार्च में स्थानीय पुलिस को एक शिकायत दी थी जिस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। कोर्ट के आदेश के अगले ही दिन यानी शनिवार दोपहर करीब तीन बजे एफ़आईआर दर्ज की गई। जेएसपी एक ऐसी संस्था है जो शिक्षा का अधिकार क़ानून और बाक़ी मुद्दों से जुड़ी समस्याओं को उठाती रही है। कोर्ट ने अपना काम कर दिया है,अब आगे का काम पुलिस को करना है।

सब जानते हैं कि निर्मला जी बेहद ईमानदार ,वफादार और तेज-तर्रार वित्त मंत्रीं ह। ये बात अलग है कि उनके फैसलों और उनके बनाये बजटों से उनके अपने पति भी खुश नहीं होते,देश कि जनता के खुश होने कि बात तो दूर की बात है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का फ़ैसला किया था। निर्मला सीतारमण ने कहा था कि चुनाव लड़ने के लिए उनके पास पैसों की कमी है और आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु जैसे दक्षिण के राज्यों में जीत के लिए जो मानदंड होते हैं, उन पर वह खरी नहीं उतरती हैं। उनकी बात पर यकीन करना मुश्किल है क्योंकि उनकी ही वजह से पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली के इस प्रस्ताव के जरिये सरकार इलेक्टोरल बांड के जरिये 6 हजार करोड़ से ज्यादा का चुनावी चंदा जुटाने में कामयाब हुईं थी ।

यदि आप अपनी याददाश्त पर जोर डालें तो आपको याद आ जाएगा कि इलेक्टॉरल बॉन्ड या चुनावी बॉन्ड 2017 में शुरुआत से लेकर 15 फरवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा असंवैधानिक घोषित किए जाने तक भारत में राजनीतिक दलों के लिए फंडिंग का एक तरीका था। इनकी समाप्ति के बाद, मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने भारतीय स्टेट बैंक को दानकर्ताओं और प्राप्तकर्ताओं की पहचान और अन्य विवरण भारत के चुनाव आयोग को सौंपने का निर्देश दिया, जिसे चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित किया।माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने इलेक्टोरल बंद को असाम्वीधनीक तो घोषित कर दिया था लेकिन न बांड से मिले धन को राजसात करने के बारे में कुछ कहा और न किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

जहाँ तक मुझे याद है कि एक अनुमान के अनुसार, मार्च 2018 से अप्रैल 2022 तक की अवधि के दौरान ?9,857 करोड़ के मौद्रिक मूल्य के बराबर कुल 18,299 चुनावी बांड का सफलतापूर्वक लेन-देन किया गया। बाद में 7 नवंबर 2022 को चुनावी बॉन्ड योजना में संशोधन किया गया, ताकि किसी भी विधानसभा चुनाव वाले वर्ष में बिक्री के दिनों को 70 से बढ़ाकर 85 किया जा सके। चुनावी बॉन्ड (संशोधन) योजना, 2022 पर निर्णय गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनावों से कुछ समय पहले लिया गया था, जबकि दोनों राज्यों में आदर्श आचार संहिता लागू की गई थी।

ख़ुशी की बात ये है कि जो काम देश कि सर्वोच्च अदालत करना भूल गयी थी उसे बेंगलूर कि एक अधीनस्स्थ अदालत ने पूरा कर दिखाया। अब केंद्र के सर्वविदित हथियार ईडी और सबसे ईमानदार मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के खिलाफ पुलिस में बाकायदा एफआईआर दर्ज की गयी है । आप कह सकते हैं कि अब आया है ऊँट पहाड़ के नीचे। अब यदि पुलिस ईमानदारी से फुर्ती के साथ मामले कि जांच कार आरोपियों को अदालत कि दहलीज पर ला खड़े करे तो एक बड़ा काम हो जाये।

कायदे से तो श्रीमती निर्मला सीतारामण जैसी ईमानदार मंत्री को ये एफआईआर दर्ज होते ही नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफा देते हुए राजनीति से सन्यास कि घोषणा कर देना चाहिए ,लेकिन ऐसा होगा नहीं। नैतिकता से सीता जी का और उनकी पार्टी से दूर-दूर का रिश्ता नहीं है। निर्मला जी बलि कि मकरी बन रहीं है। उन्होंने तो जानबूझकर कुछ किया नहीं, जो उनसे पार्टी और सरकार ने कहा वो उन्होंने किया। वे और कर भी क्या सकती थीं । वे अपने खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद इस्तीफा दे सकतीं है लेकिन उनकी पार्टी और उनकी सर्कार के नेता ही उन्हें इस्तीफा देने नहीं देंगे।

इलेक्टोरल बांड के जरिये धन वसूली के मामले में सीता जी और ईडी के निदेशक ही नहीं बल्कि इस मामले में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजेंद्र को भी आरोपी के तौर पर नामित किया गया है बल्कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजेंद्र को भी आरोपी के तौर पर नामित किया गया है ,कर्नाटक में कांग्रेस कि सरकार ह। कांग्रेस कि सरकार हहै तो एपीआई पुलिस को सक्रिय कर इस मामले में सीता जी और ईडी के निदेशक कि गिरफ्तारी करा सकती है ,लेकिन कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया अभी खुद भ्र्ष्टाचार के एक मामले में उलझे हुए हैं।

सीता जी और ईडी प्रमुख के खिलाफ एफआईआर होने के मुद्दे का लाभ कांग्रेस और दूसरे दल हरियाणा और जम्मु-कश्मीर के विधानसभा चुनावोंमें शायद न उठा पाए लेकिन विपक्ष को मौक़ा हैकि महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों में वो इस मुद्दे पर सरकार और भाजपा को घेर। फ़िलहाल हमारी सहानुभूति श्रीमती निर्मला सीतारमण और ईडी के निदेशक के साथ है। (लेखक-राकेश अचल/ईएमएस)

नोबेल पुरस्कार विजेता -वैज्ञानिक सर नेविल फ्रांसिस मॉट

(जन्मदिन 30 सितंबर पर विशेष)

सर नेविल फ्रांसिस मॉट का जन्म 30 सितंबर, 1905, लीड्स, वेस्ट यॉर्कशायर, इंग्लैंड में हुआ। उन्होंने पुरस्कार और सम्मान में नोबेल पुरस्कार (1977) कोपले मेडल (1972) जीता उनका अध्ययन विषय अनाकार ठोस विद्युत चुंबकत्व थानेविल फ्रांसिस मॉट (1905 - 1996) एक ब्रिटिश भौतिक विज्ञानी थे। उन्होंने रदरफोर्ड की प्रयोगशाला में टकराव सिद्धांत और परमाणु समस्याओं पर काम किया। 1933 में वे ब्रिस्टल में एचडब्ल्यू। में सैद्धांतिक भौतिकी के अध्यक्ष के पास गये। सर नेविल एफ। मॉट (जन्म 30 सितंबर, 1905, लीड्स, वेस्ट यॉर्कशायर, इंग्लैंड-मृत्यु 8 अगस्त, 1996, मिल्टन कीन्स, बकिंघमशायर) एक अंग्रेजी भौतिक विज्ञानी थे, जिन्होंने (संयुक्त राज्य अमेरिका के पी।डब्ल्यू। एंडरसन और जेएच वैन वेलेक के साथ) 1977 का नोबेल पुरस्कार साझा किया था। गैर-क्रिस्टलीय, या अनाकार, अर्धचालकों के चुंबकीय और विद्युत गुणों पर अपने स्वतंत्र शोध के लिए उन्हें भौतिकी में नोबेल पुरस्कार मिला । मॉट ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से बीए (1927) और एमए (1930) की डिग्री प्राप्त की। वे 1933 में ब्रिस्टल विश्वविद्यालय में सैद्धांतिक भौतिकी के प्रोफेसर बने। ब्रिस्टल में ठोस-अवस्था भौतिकी में उनके काम में धातुओं और मेटलॉइड्स, अर्धचालक और फोटोग्राफिक इमल्शन का अध्ययन शामिल था। 1938 में मॉट ने परमाणु स्तर पर फोटोग्राफिक इमल्शन पर प्रकाश के प्रभावों का एक सैद्धांतिक विवरण विकसित किया। 1954 में वे कैंब्रिज विश्वविद्यालय में प्रायोगिक भौतिकी के कैवेंडिश प्रोफेसर बने और 1971 में सेवानिवृत्त हुए। माइकल फैराडे (बाएं) अंग्रेजी भौतिक विज्ञानी और रसायनज्ञ (विद्युत चुंबकत्व) और जॉन फ्रेडरिक डैनियल (दाएं) ब्रिटिश रसायनज्ञ और मौसम विज्ञानी जिन्होंने डैनियल सेल का आविष्कार किया था। विभिन्न धातुओं में विद्युत चालन पर मॉट के शोध ने उन्हें 1960 के दशक में अनाकार सामग्रियों की चालन क्षमता का पता लगाने के लिए प्रेरित किया, तथाकथित क्योंकि उनकी परमाणु संरचना अनियमित या अव्यवस्थित है। उन्होंने ऐसे सूत्र विकसित किए जो वर्णन करते हैं कि कांच और अन्य अनाकार सामग्री विद्युत प्रवाहकीय (धातु) अवस्था और इन्सुलेशन (गैर-धातु) अवस्था के बीच कर सकते हैं, जिससे अर्धचालक के रूप में कार्य किया जा सकता है। यह कांच जैसी सामग्री, जो निर्माण के लिए अपेक्षाकृत सरल और सस्ती है, ने अंततः कई इलेक्ट्रॉनिक स्विचिंग और मेमोरी उपकरणों में अधिक महंगे क्रिस्टलीय अर्धचालकों को प्रतिस्थापित कर दिया, और अधिक किफायती व्यक्तिगत कंप्यूटर, पॉकेट कैलकुलेटर, कॉपी मशीन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जन्म दिया। मॉट को 1962 में नाइट की उपाधि दी गई थी।स्किनर और एच। जोन्स के प्रभाव में धातुओं और अर्धचालकों के गुणों पर ध्यान केंद्रित किया। युद्ध से पहले उनके ब्रिस्टल काल के दौरान किए गए कार्यों में संक्रमण धातुओं का सिद्धांत, सुधार, मिश्र धातुओं का सख्त होना (नवारो के साथ) और फोटोग्राफिक अव्यक्त छवियां (गुर्नी के साथ) शामिल थीं। युद्ध के दौरान लंदन में सैन्य अनुसंधान के बाद, वह ब्रिस्टल में भौतिकी विभाग के प्रमुख बने, और कम तापमान ऑक्सीकरण (कैब्रेरा के साथ) और धातु-इन्सुलेटर संक्रमण पर पत्र प्रकाशित किए।सर 1954 में उन्हें भौतिकी का कैवेंडिश प्रोफेसर नियुक्त किया गया, इस पद पर वे 1971 तक रहे और कई सरकारी और विश्वविद्यालय समितियों में कार्यरत रहे।चुंबकीय और अव्यवस्थित प्रणालियों, विशेष रूप से अनाकार अर्धचालकों की इलेक्ट्रॉनिक संरचना पर उनके काम के लिए उन्हें 1977 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला था। यह पुरस्कार उन्होंने फ़िलिप डब्ल्यू एंडरसन और जेएच वान वेलेक के साथ साझा किया था, जिस शोध के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया वह 1965 के आसपास शुरू हुआ। उनकी कुछ प्रमुख पुस्तकें हैं द थ्योरी ऑफ एटॉमिक कोलिजन्स (एच।एस।डब्ल्यू। मैसी के साथ), इलेक्ट्रॉनिक प्रोसेसेस इन आयनिक क्रिस्टल्स (आर।डब्ल्यू। गुर्नी के साथ) और इलेक्ट्रॉनिक प्रोसेसेस इन नॉन-क्रिस्टलीय मैटेरियल्स (ईए डेविस के साथ)। भौतिकी अनुसंधान के अलावा, उन्होंने यूके में विज्ञान शिक्षा में सुधार में अग्रणी भूमिका निभाई, उन्होंने 1965 में कैम्ब्रिज में पगवॉश बैठक की अध्यक्षता भी की। वह 1798 से बोर्ड के अध्यक्ष और अब वैज्ञानिक प्रकाशक टेलर एंड फ्रांसिस लिमिटेड के अध्यक्ष थे। वह 1959-66 तक अपने कैम्ब्रिज कॉलेज (गोनविले और कैयस) के मास्टर थे। वह 1951 से 1957 तक इंटरनेशनल यूनियन ऑफ फिजिक्स के अध्यक्ष रहे और उनके पास लिंकोपिंग में डॉक्टर ऑफ टेक्नोलॉजी सहित बीस से अधिक मानद डिग्रियां थी । 1930 में उन्होंने रूथ एलेनोर हॉर्डर से शादी की जिससे उनकी दो बेटियां और तीन पोते-पोतियां, एम्मा, एडमंड और सिसली क्रैम्पिन हैं। उस समय वे दस सालों से अपने दामाद और परिवार के साथ पास के गांव एस्प्ले गुइस में रहें । इस अवधि के दौरान उन्होंने एक आत्मकथा ए लाइफ इन साइंस (टेलर और फ्रांसिस) और धर्म-विज्ञान इंटरफ़ेस कैन साइंटिस्ट्स बिलीव (जेम्स एंड जेम्स, लंदन), व कई वैज्ञानिक पत्रों के साथ, मुख्य रूप से उन 3 वर्षों में उन्होंने उच्च तापमान वाले सुपरकं डक्टर्स पर शोध की । नोबेल व्याख्यान से, भौतिकी 1971-1980, संस्करण स्टिग लुंडक्विस्ट, विश्व वैज्ञानिक प्रकाशन कंपनी, सिंगापुर, 1992 के पुस्तक में उनके कार्यों के बारे में उल्लेख किया है यह आत्मकथा/जीवनी पुरस्कार के समय लिखी गई थी और पहली बार लेस प्रिक्स नोबेल पुस्तक श्रृंखला में प्रकाशित हुई थी। यह बाद में संपादित और नोबेल व्याख्यान में पुनर्प्रकाशित किया गया था। व उनका निधनः 8 अगस्त, 1996, मिल्टन कीन्स, बकिंघमशायर (उम्र 90) में हुआ लेकिन उनके वैज्ञानिक कार्यों हेतु आज भी लोग याद करते हैं। (लेखक-संजय गोस्वामी/ईएमएस)

शब्द पहेली - 8144

बाएँ से दाएँ

1.साले की पत्नी-4
3.उच्च कुल का-3
5.पाताल-4
8.व्यंग,चुटीली बात-2
10.दुख,कष्ट-2
11.शराब का प्याला-2
13.सत्य,तेज-2
14.जुड़वा-3
15.विश्राम,राहत-3
17.मक्का-मदीना की यात्रा-2
19.झुका हुआ-2
20.टैक्स,शुल्क-2
21.होठ,अधर-2
23.सुरक्षित-3
25.नाश,विनाश,विध्वंस-3
26.निश्चित-4

ऊपर से नीचे

1.नदी-3
2.संपत्ति,धन-2
3.वंश,खानदान-2
4.उत्तमता,परिष्कृतता-4
6.समुद्र,दरिया-3
7.अंधकार-2
9.जो जायज न हो-4
12.संस्कृत में 'मेरा'-2
13.सपाट-4
16.जांच-2
17.पैगंबर,महापुरुष-4
18.तिनासा (उर्दू-3)
20.हवन,फन-2
22.देह,काया-3
23.गलत का विलोम-2
24.निश्चित-2

शब्द पहेली - 8143 का हल

खेल - समाचार

श्रीलंका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड को एक पारी और 154 रनों से हराकर 2-0 से सीरीज जीती

गॉल (ईएमएस)। मेजबान श्रीलंका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड को एक पारी और 154 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज 2-0 से जीत ली है। न्यूजीलैंड की टीम इस मैच में चौथे दिन फालोआन खेलते हुए अपनी दूसरी पारी में 360 रन ही बना पायी। वहीं न्यूजीलैंड के बल्लेबाज श्रीलंकाई स्पिनरों के सामने टिक नहीं पाये और पहली पारी में केवल 88 रनों पर आउट हो गये। इस प्रकार उसे 514 रनों से पीछे होने के कारण फॉलोऑन खेलना पड़ा। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में टॉम ब्लंडेल (62), ग्लेन फिलिप्स (78) और मिशेल सेंटनर (67) की अच्छी पारियों से 360 रन बनाये पर ये पर्याप्त नहीं थे। कीवी टीम ने सुबह पांच विकेट पर 199 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन उसने पहले सत्र में ही तीन विकेट गंवा दिए जिससे श्रीलंका की बड़ी जीत तय हो गयी थी।

यह पिछले 15 वर्षों में पहला अवसर है जबकि उसने न्यूजीलैंड को श्रृंखला में हराया। श्रीलंका की जीत में बाएं हाथ से स्पिनर प्रभात जयसूर्या और रहे कामिंदु मेंडिस की अहम भूमिका रही। प्रभात ने पहले मैच की तरह ही इस में भी 9 विकेट लिए और इस प्रकार सीरीज में 18 विकेट के साथ ही उन्हें सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला। वहीं कामिंदु मेंडिस को मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला। कामिंदु ने नाबाद 182 रन बनाए जिससे श्रीलंका ने अपनी पहली पांच विकेट पर 602 रन बनाये थे। कामिंदु ने इस पारी के साथ ही सबसे तेज 1000 टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रुप से तीसरा स्थान हासिल किया। तीसरे स्थान पर पहुंच गए। प्रभात ने पहले टेस्ट मैच में भी 9 विकेट लिए थे।

श्रीलंका ने अब लगातार तीन टेस्ट मैच जीत लिए हैं और इससे उसने अगले जून में लॉर्ड्स में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की उसकी संभावनाएं बढ़ गयी हैं।

भारतीय निशानेबाजों ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में दो स्वर्ण जीते

लिमा (ईएमएस)। भारतीय निशानेबाजों ने पेरू में खेली जा रही आईएसएसएफ जूनियर विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप में अच्छी शुरुआत करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने पुरुषों और महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में ये पदक जीते हैं। भारत के चौधरी, प्रद्युम्न सिंह और मुकेश नेलावल्ली ने 10 मीटर एयर पिस्टल की पुरुष टीम प्रतियोगिता में 1726 अंकों को हासिल कर नंबर एक स्थान शीर्ष स्थान पाया। भारतीय निशानेबाज दूसरे स्थान पर रहने वाले रोमानियाई निशानेबाजों से 10 अंक आगे रहे। वहीं इटली के निशानेबाज 1707 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे और उन्हें कांस्य पदक जीता। भारत को हालांकि एक निशानेबाज उमेश चौधरी को फाइनल के लिए देर से पहुंचने से नुकसान हुआ और उनके दो अंक काटे गये जिससे वह व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण नहीं जीत पाये।

चौधरी और प्रद्युम्न ने पहले क्वालीफिकेशन राउंड में तीसरे और चौथे स्थान पर रहते हुए व्यक्तिगत वर्ग से फाइनल में जगह बनाई थी। चौधरी ने 580 और प्रद्युम्न ने 578 अंक हासिल किये पर वे व्यक्तिगत पदक हासिल नहीं कर पाये और छठे व आठवें स्थान पर रहे। वहीं रोमानिया के लुका जोल्डिया ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि चीनी ताइपे के हसिह शियांग-चेन ने रजत पदक अपने नाम किया।

भारत के मुकेश 574 के स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में नौवें स्थान पर रहे। वहीं महिला वर्ग में कनिष्का डागर, लक्षिता और अंजलि चौधरी की जोड़ी ने 1708 अंक हासिल कर की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। वहीं अजरबैजान ने रजत जबकि यूक्रेन ने कांस्य पदक जीता।

आईपीएल खेलने वाले खिलाड़ियों को मिलेंगे हर मैच के 7.5 लाख रुपए : जय शाह

मुम्बई (ईएमएस)। अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों को प्रति गेम 7.5 लाख रुपए की मैच फीस मिलेगी। ये उनके अनुबंध के अलावा 1.05 करोड़ रुपए हो सकती है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने सोशल मीडिया पर ये जानकारी दी है। जय शाह ने कहा कि हर फ्रेंचाइजी सत्र के लिए मैच फीस के रूप में 12.60 करोड़ रुपए रखेगी।

जय शाह ने सोशल मीडिया पर कहा, आईपीएल में निरंतरता और उत्कृष्ट प्रदर्शन का जश्न मनाने के लिए एक हम अपने क्रिकेटरों के लिए प्रति गेम 7.5 लाख रुपए की मैच फीस शुरू करने से उत्साहित हैं। इससे एक सत्र में सभी लीग मैच खेलने वाले क्रिकेटर को उनकी अनुबंधित राशि के अलावा 1.05 करोड़ रुपए भी मिलेंगे। वहीं हर फ्रेंचाइजी सीजन के लिए मैच फीस के रूप में 12.60 करोड़ रुपए आवंटित करेगी। इससे आईपीएल खेलने वाले हमारे खिलाड़ियों को लाभ होगा। वहीं आईपीएल नियम में भब बदलाव किया गया है। अब टीमें 6 खिलाड़ियों को रिटेन कर पायेंगी।

पूरन टी20 में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने रिजवान को पीछे छोड़ा

जमैका (ईएमएस)। वेस्टइंडीज के क्रिकेटर निकोलस ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2024 में एक नया रिकार्ड बनाया है। पूरन एक कैलेंडर वर्ष में टी20 में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इस प्रकार उन्होंने पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान का रिकार्ड तोड़ दिया। पूरन ने ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हुए बारबाडोस रॉयल्स के खिलाफ 15 गेंदों में 27 रन बनाये। इसी के साथ ही पूरन इस साल टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये।

उन्होंने 66 मैचों की 65 पारियों में 42.02 की औसत से कुल 2,059 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 160.85 रहा जबकि सर्वश्रेष्ठ स्कोर 98 रन था। उन्होंने इस साल 14 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं रिजवान ने साल 2021 में 48 टी20 में 56.60 के औसत से एक शतक और 18 अर्द्धशतक के साथ ही 2,036 रन बनाए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 104 रन था। सीपीएल 2024 : पूरन ने अब तक 9 पारियों में 39.00 की औसत से 312 रन बनाए हैं, जिसमें 175.28 की स्ट्राइक रेट और 97 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। प्रतियोगिता में उनके नाम दो अर्धशतक हैं और वह चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वहीं आईपीएल 2024 में इस बार पूरन ने इस साल 62.37 की औसत से 499 रन बनाए थे जिसमें तीन अर्द्धशतक शामिल थे। इसके अलावा टी20 विश्व कप में आयोजित टी20 विश्व कप में पूरन ने 7 पारियों में 38.00 की औसत से 228 रन बनाए थे जिसमें एक अर्धशतक और 98 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर था। इसके अलावा यूएई में इंटरनेशनल लीग में पूरन ने 20 मैचों में 50.64 की औसत से 4 अर्द्धशतक के साथ 709 रन बनाए थे औ एमआई अमीरात को खिताब दिलाया था।

आईपीएल नीलामी में चुने जाने के बाद खेलने से इंकार करने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर लगेगा प्रतिबंध

मुम्बई (ईएमएस)। अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नीलामी में खरीदे जाने के बाद उपलब्ध नहीं रहने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगेगा। आईपीएल जनरल काउंसिल (आईपीएल जीसी) ने नीलामी में चुने जाने के बाद बिना किसी वैध कारण के नहीं खेलने वाले विदेश खिलाड़ियों पर दो साल का प्रतिबंध लगेगा। हालांकि चोटिल होने या किसी और आवश्यक कार्य से बाहर रहने वाले खिलाड़ियों पर कार्रवाई नहीं होगी।

आईपीएल जीसी की ओर से कहा गया, कोई भी खिलाड़ी जो नीलामी के लिए पंजीकरण करता है और नीलामी में चुने जाने के बाद सत्र की शुरुआत से पहले अपने को उपलब्ध नहीं बताता है तो उसे दो सत्र के लिए नीलामी में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। वहीं अनफिट होने पर उसकी पुष्टि उसके घरेल बोर्ड को करनी होगी तभी उसे सही माना जाएगा। प्रतिबंध के अलावा आईपीएल ने मिनी-नीलामी में खिलाड़ियों की फीस को विनियमित करने के लिए भी उपाय पेश किए हैं। विदेशी खिलाड़ियों को अब बाद की मिनी नीलामी में शामिल होन के लिए मेगा नीलामी में पंजीकरण करना होगा। यह नियम खिलाड़ियों को मिनी नीलामी में संभावित रूप से उच्च बोली हासिल करने के लिए मेगा नीलामी को छोड़ने से रोकता है।

आईपीएल ने मिनी-नीलामी में विदेशी खिलाड़ियों के लिए अधिकतम शुल्क भी लागू किया है। यह सीमा 18 करोड़ रुपए की उच्चतम प्रतिधारण कीमत या पिछली मेगा नीलामी से उच्चतम नीलामी मूल्य, जो भी कम हो उस पर निर्धारित की जाएगी। इसका उद्देश्य मिनी नीलामी में खिलाड़ियों की कीमतों में वृद्धि को रोकना है, जहां टीमें अक्सर विशिष्ट स्क्वाड अंतराल को भरने के लिए प्रीमियम दरों का भुगतान करती हैं।

वैश्विक रुझान और कंपनियों के तिमाही नतीजे तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

मुंबई (ईएमएस)। वैश्विक रुझान, घरेलू मोर्चे पर वाहन बिक्री के मासिक आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजे अगले सप्ताह कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह के दौरान शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। बुधवार दो अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि आगे विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रवाह की निगरानी करना रोचक रहेगा। इस साल सितंबर में भारतीय शेयर बाजार में सबसे ज़्यादा एफआईआई प्रवाह देखने को मिला है। जिंस कीमतों में उतार-चढ़ाव, अमेरिका के डॉलर सूचकांक और वहां के वृहद आर्थिक आंकड़ों से भी बाजार को दिशा मिलेगी। इसके साथ ही भू-राजनीतिक घटनाक्रम वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण कारक बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर वाहन बिक्री के मासिक आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजों से आने वाले समय में शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। सप्ताह के दौरान विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) का आंकड़ा बाजार की धारणा को प्रभावित करेगा। उन्होंने यह भी कहा ?कि हमें उम्मीद है कि प्रमुख शेयरों की अगुवाई में बाजार का सकारात्मक रुख जारी रहेगा। आगे चलकर घरेलू संकेतकों के अभाव में वैश्विक कारक बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। एक अक्टूबर को जारी होने वाले वाहन बिक्री के आंकड़ों पर सभी की निगाह रहेगी। इसके अलावा एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई और एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई के आंकड़े भी महत्वपूर्ण रहेंगे। साथ ही विदेशी कोषों के प्रवाह तथा कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव पर भी सभी की निगाह रहेगी। आगे निवेशकों की निगाह कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों पर रहेगी। निवेशक कंपनियों की आमदनी में सुधार की उम्मीद कर रहे हैं।

बलूचिस्तान प्रांत में हमलावरों ने मजदूरों को गोलियों से भूना,

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में हुए हमले में सात मजदूरों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि हमला प्रांत के पंजगुर जिले में शनिवार रात को किया गया।

प्रवक्ताने बताया कि मजदूर काम के लिए अस्थायीरूपसेएक स्थानीय ठेकेदार केघर में सो रह रहे थे, जिस पर हमलावरोंने हमला कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक पूर्वी पंजाब प्रांत के रहने वाले मजदूर थे। उन्होंने बताया कि घटना के बाद हमलावर मौके सेफरार हो गए। अभी तक किसी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफनेहमलेकीनिंदा कीहै और बलूचिस्तान के सीएम को अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए हर संभव कोशिश करने का निर्देश दिया।

आयकर अधिनियम समीक्षा: सरकार निजी क्षेत्र और कर विशेषज्ञों से सुझाव आमंत्रित करेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रत्यक्ष कर कानून को सरल बनाने सरकार ने अक्टूबर से आयकर अधिनियम, 1961 पर निजी क्षेत्र और कर विशेषज्ञों से सुझाव आमंत्रित करने का प्रस्ताव किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस महीने की शुरुआत में उद्योग मंडलों के साथ बैठक में सरकार ने कहा था कि आयकर पोर्टल में एक ऐसी सुविधा बनाई जाएगी, जिसमें आयकर कानून की विभिन्न धाराओं के बारे में सुझाव दिए जा सकेंगे। इसका मकसद भाषा को सरल बनाना और मुकदमेबाजी को कम करना है। बजट घोषणा के बाद केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने छह दशक पुराने प्रत्यक्ष कर कानून की व्यापक समीक्षा और इसे संक्षिप्त, पढ़ने और समझने में सुगम बनाने के लिए एक आंतरिक समिति गठित की थी। एक सूत्र ने बताया ?कि उद्योग संघों के साथ बैठक में राजस्व विभाग ने सुझाव दिया कि आयकर कानून को फिर से तैयार करने के लिए सुझाव को लेकर अक्टूबर के पहले सप्ताह तक पोर्टल पर यह सुविधा डाली जाए। एक अन्य सूत्र ने बताया कि यह कवायद नया कर कानून या कर संहिता लिखने के लिए नहीं है। पुराने बेकार पड़ चुके प्रावधानों को हटाने से ही पृष्ठों की संख्या में करीब 100 की कमी आ सकती है। आयकर कानून की समीक्षा का उद्देश्य भाषा को सरल बनाना और मुकदमेबाजी को कम करना है। जुलाई में पेश किए गए 2024-25 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रस्ताव दिया था कि आयकर कानून की समीक्षा छह महीने में पूरी हो जाएगी। यह देखते हुए कि छह महीने की समयसीमा जनवरी में समाप्त हो रही है, व्यापक रूप से उम्मीद है कि संशोधित आयकर अधिनियम संसद के बजट सत्र में लाया जा सकता है।

नवरात्र से पहले 2 से 3 रुपए सस्ता हो सकता है पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत मिलने के संकेत नजर आ रहे हैं। दरअसल कच्चे तेल की कीमतों में हाल के सप्ताहों में आई कमी से पेट्रोलियम कंपनियों के वाहन ईंधन पर मुनाफे में सुधार हुआ है। इससे सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को पेट्रोल तथा डीजल की कीमतों में 2 से 3 रुपये प्रति लीटर की कटौती करने की गुंजाइश मिली है। एक रेटिंग एजेंसी ने ये जानकारी दी है। भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल की कीमत सितंबर में औसतन 74 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी, जो मार्च में 83-84 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आखिरी बार दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई थी। इक्रा ने एक नोट में कहा गया है ?कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी के साथ हाल के सप्ताहों में भारतीय पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए मोटर वाहन ईंधन की खुदरा बिक्री पर विपणन मुनाफे में सुधार हुआ है। रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें वर्तमान स्तर पर स्थिर रहीं तो खुदरा ईंधन कीमतों में कमी की गुंजाइश है। एजेंसी के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि अनुमान लगाया जा रहा है कि 17 सितंबर तक अंतरराष्ट्रीय उत्पाद कीमतों की तुलना में ओएमसी की शुद्ध प्राप्ति पेट्रोल के लिए 15 रुपये प्रति लीटर और डीजल के लिए 12 रुपये प्रति लीटर अधिक रही। इन ईंधन के खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) मार्च, 2024 से यथावत हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि अगर कच्चे तेल की कीमतें स्थिर रहती हैं तो उनके दो से तीन रुपये प्रति लीटर की कमी करने की गुंजाइश है। कच्चे तेल की कीमतों में पिछले कुछ महीनों में भारी गिरावट देखी गई है, जिसका मुख्य कारण कमजोर वैश्विक आर्थिक वृद्धि और उच्च अमेरिकी उत्पादन है। वहीं ओपेक एवं सहयोगी देशों ने गिरती कीमतों से निपटने के लिए अपने उत्पादन कटौती को वापस लेने के अपने फैसले को दो महीने के लिए आगे बढ़ा दिया। वहीं र?विवार को दिल्लीमेंपेट्रोल 94.72 रुपये प्र?ति?लिटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये रुपये प्र?ति?लिटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये रुपये प्र?ति?लिटर, चेन्नई में पेट्रोल100.75 रुपये रुपये प्र?ति?लिटर है। वहीं दिल्ली में डीजल 87.62 रुपये रुपये प्र?ति?लिटर, मुंबई में डीजल 92.15 रुपये रुपये प्र?ति?लिटर, कोलकाता में डीजल 91.76 रुपये रुपये प्र?ति?लिटर और चेन्नई में डीजल 92.34 रुपये रुपये प्रतिलिटर है।

शेयर बाजार में गिरावट के संकेत: निवेशकों को सतर्क रहना होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में हालिया हलचल ने निवेशकों के बीच चिंता का माहौल बना दिया है। जब लंबे समय तक बाजार लगातार बढ़ता है, तो निवेशकों को लगता है कि यह वृद्धि स्थायी होगी। लेकिन बीते सप्ताह ने बाजार में गिरावट देखने को मिली, जिससे कुछ महत्वपूर्ण संकेत मिलते हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना किसी भी निवेशक के लिए खतरनाक हो सकता है।1. उच्च पीई रेश्यो की चिंता: भारतीय शेयर बाजार के निफ्टी इंडेक्स का प्राइस टू अर्निंग (पीई) रेश्यो वर्तमान में अपने उच्चतम स्तर पर है। हाल ही में यह 24 से 25 के बीच मंडरा रहा है, जो बाजार को ओवर-वैल्यूएशन का संकेत है। 27 सितंबर 2024 को निफ्टी50 का पीई रेश्यो 24.34 था। 2023 में, 17 से 20 जुलाई के बीच यह रेश्यो 24 के ऊपर था, जिसके बाद निफ्टी50 में गिरावट शुरू हुई थी। आमतौर पर जब किसी इंडेक्स का पीई रेश्यो इतना बढ़ जाता है, तो निवेशकों को सतर्क हो जाना चाहिए क्योंकि इसका मतलब है कि स्टॉक्स की कीमतें उनकी कमाई के मुकाबले अधिक हैं।

2. म्यूचुअल फंड्स का कैश प्रबंधन: म्यूचुअल फंड्स के बड़े खिलाड़ी इस समय भारी मात्रा में नकदी रख रहे हैं। अगस्त 2024 में म्यूचुअल फंड्स के पास कुल 1.86 लाख करोड़ रुपये का कैश था, जो उनकी कुल संपत्ति का 5.20 फीसदी है। पिछले महीने यह आंकड़ा 1.71 लाख करोड़ रुपये था। कैश होल्डिंग का बढ़ना यह संकेत देता है कि फंड मैनेजर्स संभावित गिरावट के प्रति सतर्क हैं।

एसबीआई म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल और एचडीएफसी म्यूचुअल फंड जैसे बड़े हाउस ने अपने पोर्टफोलियो में भारी कैश रखा है, जो यह दर्शाता है कि वे बाजार में गिरावट के संकेतों को गंभीरता से ले रहे हैं। 3. चीन की नीतियों का प्रभाव: चीन की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं, जो भारतीय बाजार को भी प्रभावित कर सकते हैं। चीन के केंद्रीय रिसर्व बैंक ने हाल ही में रेपो रेट को कम किया है, जिससे बैंकों के पास अधिक धन लोन देने के लिए उपलब्ध हो गया है।

इसके अलावा प्रॉपर्टी मार्केट को सहारा देने के लिए डाउन पेमेंट की सीमा को भी कम किया गया है। इन उपायों से चीन के शेयर बाजारों में रौनक देखने को मिली है। अगर विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) चीन में अधिक निवेश करना शुरू करते हैं, तो यह भारतीय बाजार में फंडिंग की कमी का कारण बन सकता है, जिससे यहां गिरावट आ सकती है। इन तीनों कारणों के मद्देनजर, विशेषज्ञों ने निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। यदि बाजार में गिरावट आती है, तो निवेशकों को सही समय पर निर्णय लेने की आवश्यकता होगी। निवेशकों को चाहिए कि वे अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करें और बाजार की मौजूदा स्थिति के अनुसार सही रणनीति बनाएं।

बीते सप्ताह कम आपूर्ति, त्योहारी मांग से तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

- सोयाबीन डीगम तेल 1,050-1,060 से बढ़कर 1,065-1,070 डॉलर प्रति टन हो गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीते सप्ताह आपूर्ति घटने के बीच त्योहारी मांग बढ़ने से देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल जैसे सभी तेल-तिलहन के दाम सुधार के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में आयातित खाद्य तेलों के दाम में सुधार देखा गया। पिछले सप्ताह के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में सूरजमुखी तेल का दाम पहले के 1,095-1,100 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,120-1,125 डॉलर प्रति टन हो गया। इसी प्रकार सोयाबीन डीगम तेल का दाम 1,050-1,060 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,065-1,070 डॉलर प्रति टन और सीपीओ का दाम 1,090-1,100 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,035-1,040 डॉलर प्रति टन हो गया। इस तेजी का असर बाकी सभी तेल-तिलहन कीमतों पर देखने को मिला जो खाद्य तेलों में सुधार का मुख्य कारण है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 रुपये बढ़कर 6,775-6,825 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 150 रुपये बढ़कर 14,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 20-20 रुपये की मजबूती के साथ क्रमश: 2,195-2,295 रुपये और 2,195-2,310 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमश: 55-55 रुपये की तेजी के साथ क्रमश: 4,885-4,935 रुपये प्रति क्विंटल और 4,660-4,795 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश: 550 रुपये, 400 रुपये और 350 रुपये बढ़कर क्रमश: 13,400 रुपये, 12,850 रुपये और 9,600 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले सुधार का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 100 रुपये की तेजी के साथ 6,450-6,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 125 रुपये के सुधार के साथ 15,225 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 30 रुपये की मजबूती के साथ 2,300-2,600 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। मांग बढ़ने और कम आपूर्ति की स्थिति के कारण कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 450 रुपये की तेजी के साथ 12,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 550 रुपये के सुधार के साथ 13,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 575 रुपये के सुधार के साथ 12,825 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 750 रुपये के सुधार के साथ 12,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

भारत और बांग्लादेश के बीच तीसरे दिन का खेल भी बारिश से धुला

कानपुर (ईएमएस)। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन का खेल भी बारिश के कारण रद्द हो गया। बारिश के कारण तीसरे दिन भी एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। सुबह आउटफील्ड गीला होने के कारण मैच पहले लंच तक के लिए स्थगित कर दिया गया। मैदानकर्मियों ने 11.15 के आसपास बारिश रूकने पर तीन सुपर सोपर्स लगाए पर इसके बाद भी मैदान नहीं सूखा। रोशनी भी कम थी इसलिए सवा 2 बजे मैच अधिकारियों ने निरीक्षण के बाद खेल रद्द कर दिया। वहीं इससे पहले दूसरे दिन का खेल भी बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बगैर रद्द कर दिया गया था। आज तीसरे दिन भी सुबह हल्की बारिश हो रही थी। इसके कारण मैच शुरु होने के समय को लगातार आगे बढ़ाया गया पर जब खेल होने की कोई संभावना नहीं दिखी तो इसे रद्द करने के अलावा कोई चारा नहीं बचा।

वहीं मौसम विभाग के अनुसार सोमवार और मंगलवार को आसमान साफ रहने की संभावन है। ऐसे में दो दिन बचे होने के कारण मैच ड्रॉ होना तय लग रहा है। पहले दिन बांग्लादेश ने तीन विकेट पर 107 रन बनाए थे और 35 ओवर ही फेंके जा सके थे उसके बाद बारिश के कारण खेल नहीं हो पाया। भारतीय टीम दो मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है।

अब 6 खिलाड़ी रिटेन कर सकेंगी आईपीएल टीमें : गवर्निंग काउंसिल

बेंगलुरू (ईएमएस)। आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल ने रिटेंशन पॉलिसी में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत ही अब फ्रेंचाइजी को अपनी पिछली टीम से 4की जगह पर 6 खिलाड़ियों को रिटेन (बरकारार) रख सकेंगी। इसमें नीलामी का एक 'राइटटू मैच' (आरटीएम) कार्ड भी शामिल रहेगा। इसकी कीमत 120 करोड़ रुपये के बढ़े हुए टीम पर्स में से 75 करोड़ रुपये होगी। इससे पहले साल 2022 मेंआयोजित पिछली मेगा नीलामी में एक टीम को अधिकतम चार खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति दी गयी थी। फ्रेंचाइजी को अगले सत्र के लिए 'नीलामी के साथ ही रिटेनशन' के लिए 120 करोड़ रुपये की रकम के अलावा 12.60 करोड़ रुपये की अतिरिक्त रकम भी आवंटित करनी होगी। बीसीसीआई के एक अधिकारी के अनसार पहले रिटेनशन का खर्चा 18 करोड़ रुपये होगा। उसके बाद 14 करोड़ रुपये की दूसरी और 11 करोड़ रुपये की तीसरी रिटेनशन राशि रहेगी। वहीं अगर कोई फ्रेंचाइजी चौथे और पांचवें रिटेनशन का विकल्प चुनती है तो उन्हें फिर से 18 करोड़ रुपये और 14 करोड़ रुपये अदा करने होंगे।'

उन्होंने कहा, 'इसलिए कोई भी फ्रेंचाइजी अगर सभी पांच रिटेनशन का विकल्प रखती है तो उसके पास खरीदने के लिए केवल 45 करोड़ रुपये रहेंगे। यहां तक कि वह अपने आरटीएम कार्ड का उपयोग करके भी अन्य 15 खिलाड़ी खरीदकर एक टीम तैयार कर सकती है। भारतीय और विदेशी रिटेनशन को लेकर कोईसीमाहींहै।'अधिकांश मजबूत फ्रेंचाइजी छहसे आठ खिलाड़ियों को रिटेन करनेकेपक्षमें थीं जबकि कुछ अन्य फ्रेंचाइजी के पास ज्यादा बड़े खिलाड़ी नहीं थे इसलिए वह इसका विरोध कर रहे थे।

इसके अलावा विवादास्पद 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को भी बनाये रखा गया है। इस नियम को आईपीएल 2023 के दौरान पेश किया गया था और तब से ही इस नियम पर आम राय नहीं बन पायी थी और इसके विरोधियों का कहना था कि इससे ऑलराउंडरों का महत्व कम हो गया था।

नसरल्लाह की मौत की रुस-चीन ने की निंदा

शंघाई,(ईएमएस)। लेबनान के हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह की इजरायली हमलों में मौत की खबर ने मध्य पूर्व और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को हिलाकर रख दिया है। इजरायल ने अत्याधुनिक एफ-35 लड़ाकू विमानों से हिजबुल्लाह के मुख्यालय पर 80 टन बम गिराए, जिससे नसरल्लाह और अन्य प्रमुख नेताओं की मौत हो गई। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे बदला करार दिया, जो हमास द्वारा इजरायल पर किए गए हमले का जवाब था।

इस घटना के बाद चीन और रूस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। चीन ने इसे लेबनान की संप्रभुता का उल्लंघन बताते हुए इजरायली की कार्रवाई की निंदा की और क्षेत्र में युद्ध को फैलने से रोकने के लिए तत्काल प्रयास करने का आग्रह किया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि सभी पक्षों को बिना देरी किए हिंसा रोकनी चाहिए। खासकर लेबनान और गाजा में।

रूस ने भी इस हमले की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह एक राजनीतिक हत्या है और इसके गंभीर परिणामों होने की चेतावनी भी दी। वहीं तुर्किये ने भी इजरायली की इस कार्रवाई की निंदा की है। नसरल्लाह की मौत के बाद हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच संघर्ष और तेज हो सकता है। यह घटना मध्य पूर्व में पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति को और भड़का सकती है, जहां इजरायल और हमास के बीच भीषण संघर्ष जारी है। इजरायल ने अत्याधुनिक एफ-35 लड़ाकू विमानों से हिजबुल्लाह के मुख्यालय पर 80 टन बम गिराए, जिससे नसरल्लाह और अन्य प्रमुख नेताओं की मौत हो गई। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे बदला करार दिया,

चिराग पासवान की पार्टी झारखंड विधानसभा का चुनाव लड़ेगी

धनबाद (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने धनबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा है कि उनकी पार्टी झारखंड विधानसभा का चुनाव लड़ेगी।

हालांकि, चिराग पासवान ने अभी यह साफ नहीं किया कि पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी या गठबंधन में लड़ेगी। उन्होंने कहा कि, सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

चिराग पासवान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी अहम भूमिका देखती है। फिलहाल के वर्षों में संगठन के स्तर पर पार्टी मजबूत हुई है। मेरे नेता और मेरे पिता रामविलास पासवान जी का झारखंड में एक मजबूत जनाधार है। उन्होंने कहा कि मेरा जब जन्म हुआ था तब झारखंड और बिहार एक ही राज्य था। उस तरह से मेरी जन्मभूमि भी झारखंड है। रामविलास पासवान जी की कर्मभूमि भी झारखंड है। ऐसे में मैं पिता के उस सपने को पूरा करने के लिए निकला हूं जिसमें उन्होंने विकसित झारखंड के निर्माण को अपना लक्ष्य बनाया था।

चिराग ने कहा कि, हम इस सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं कि आने वाले झारखंड विधानसभा चुनाव में पार्टी मजबूती से अपना प्रदर्शन करे। चुनाव गठबंधन में लड़ेंगे या अकेले, इसका फैसला राज्य इकाई को करना है। राज्य स्तर पर अभी बातचीत चल रही है। मैं मानता हूं कि नोटिफिकेशन आते-आते यह स्थिति स्पष्ट हो जाएगी कि हम गठबंधन में या फिर अकेले चुनाव लड़ेंगे।

चिराग पासवान का यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि एक दिन पहले ही शनिवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने घोषणा की थी कि बीजेपी झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव एनडीए के घटक दलों 'ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) और जनता दल-यूनाइटेड (जेडीयू) के साथ मिलकर लड़ेगी।

इजराइल का दावा यासीन भी मारा गया

येरुशलम,(ईएमएस)इजरायल ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाई के तहत हिज्बुल्लाह के टॉप कमांडर हसन खलील यासीन को बेरूत के दक्षिणी उपनगर में हवाई हमले में मार गिराने का दावा किया है। इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) के अनुसार, यासीन हिज्बुल्लाह के खुफिया विभाग की एक यूनिट का नेतृत्व कर रहा था, जो इजराइल पर हमलों की योजना बना रही थी।

आईडीएफ का कहना है कि यासीन हिज्बुल्लाह की मिसाइल और ड्रोन यूनिट्स के साथ मिलकर काम करता था और पिछले संघर्षों में नागरिकों और सैनिकों के खिलाफ आतंकी साजिशों में शामिल था। इजरायली अधिकारियों का दावा है कि उसने इजराइल पर आगामी हमलों की योजना बनाई थी। इस घटनाक्रम से क्षेत्र में तनाव और बढ़ने की आशंका है, और ईरान ने हिज्बुल्लाह के खिलाफ बढ़ते तनाव को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तत्काल बैठक का आह्वान किया है। वहीं दूसरी तरफ हिज्बुल्लाह ने काऊक की मौत पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन उनके समर्थक शोक संदेश पोस्ट कर रहे हैं। यह स्थिति दोनों पक्षों के बीच मौजूदा संघर्ष को और बढ़ा सकती है।

हर बार मौत को मात देता आया....ये दुनिया का सबसे भाग्यशाली व्यक्ति

लंदन (ईएमएस)। जाको रखे साईंयां मार सके ना कोई... शायद यह कहावत शख्स के लिए बनी है। दरअसल हम बात कर रहे हैं फ्रैन सेलाक की, जो कि क्रोएशिया के एक बुजुर्ग हैं, को दुनिया का सबसे भाग्यशाली व्यक्ति माना जाता है। उनकी ज़िंदगी एक फिल्मी स्क्रिप्ट की तरह है, जिसमें लगातार भयानक घटनाओं का सामना करने के बावजूद वे हर बार मौत को मात दे देते हैं। सेलाक का जन्म 1929 में हुआ और वे एक संगीत शिक्षक के रूप में एक सामान्य जीवन जीते थे, लेकिन उनकी ज़िंदगी में तब बदलाव आया जब उन्होंने पहली बार 1957 में एक बस दुर्घटना का सामना किया, जिसमें उनकी बस नदी में गिर गई। इसके बाद, उन्होंने कई और खतरनाक घटनाओं का सामना किया, जैसे एक ट्रेन दुर्घटना जिसमें ट्रेन पटरी से उतरकर नदी में गिर गई, और दो कारों के ब्लास्ट में भी वे बच गए।

सबसे चौंकाने वाला पल तब आया जब उनका एक विमान क्रैश हो गया, लेकिन वे घास के ढेर पर गिरने के कारण बच गए। इन सभी घटनाओं के बाद, सेलाक को दुनिया का सबसे लकी आदमी माना जाने लगा। हालांकि, उनकी किस्मत ने एक और मोड़ लिया जब साल 2000 में उन्होंने लॉटरी में करीब 1 मिलियन डॉलर (लगभग 8.36 करोड़ रुपये) जीत लिए। उन्होंने इस धन का अधिकांश हिस्सा दोस्तों और परिवार को दे दिया, और एक शानदार घर खरीदा। हालांकि, बाद में उन्होंने घर बेचकर एक साधारण जीवन जीने का फैसला किया और अब अपनी पांचवीं पत्नी के साथ रह रहे हैं। फ्रैन सेलाक की कहानी इस बात का सबूत है कि जीवन में कितनी भी विपरीत परिस्थितियाँ क्यों न हों, अंततः किस्मत आपके साथ हो सकती है।

नेपाल में भूस्खलन और बाढ़ से 66 की मौत, कई लोग लापता

काठमांडू,(ईएमएस)। नेपाल में मूसलाधार बारिश से भूस्खलन और बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी है। गृह मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि इसमें 66 लोगों की मौत हुई और 60 लोगों के घायल होने की खबर है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ऋषिराम तिवारी ने एक बयान में कहा कि 69 लोग लापता हैं। सबसे ज्यादा नुकसान काठमांडू घाटी में हुआ है। यहां 34 लोगों की मौत हुई है। सुरक्षा बलों ने तीन हजार से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू किया है। सरकार ने घायलों को मुफ्त इलाज और इस तबाही में सिर से छत गंवा चुके लोगों के लिए जल्द पुनर्वास का काम शुरू करने का फैसला लिया है। उन्होंने आगे कहा कि देश के कई हिस्सों में राजमार्ग और पुल भी नष्ट हो गए हैं। राजमार्गों को साफ करना सरकार की पहली प्राथमिकता है।

नेपाल पुलिस ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से देश के बाकी हिस्सों से काठमांडू से जोड़ने वाले राजमार्गों सहित करीब सभी राजमार्ग पर आवागमन ठप हो गया है। भूस्खलन की वजह से काठमांडू के सभी प्रवेश मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं। नेपाल के शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस बीच सभी राज्य सरकारों से रविवार से तीन दिन के लिए स्कूल बंद रखने और मंगलवार तक सभी विश्वविद्यालय स्तर की परीक्षाओं को स्थगित करने का अनुरोध किया है।

नेपाल में इस साल मानसून में औसत से ज्यादा बारिश हुई है। उफनती नदियों से काठमांडू के कुछ हिस्सों में पानी भर गया है। कई घर डूब गए हैं और लोगों को ऊपरी मंजिल पर जाना पड़ा है। चार लोगों को लेने के लिए सेना के हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया गया था। ये लोग अपने घर छोड़ने में असमर्थ थे। काठमांडू के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति और इंटरनेट सेवा काफी समय तक बाधित रही।

मशहूर पेंटर वैन गॉग की पेंटिंग बिकी 32.2 मिलियन डॉलर में

विक्टोरिया (ईएमएस)। चीन प्रशासनिक क्षेत्र हांगकांग के मशहूर पेंटर विन्सेंट वैन गॉग की पेंटिंग 'लेस कैनोट्स अमारेस' ने इतिहास रच दिया। इस पेंटर की पेंटिंग 32.2 मिलियन डॉलर में बिकी। भारतीय करेंसी में यह राशि 269 करोड़ 24 लाख 07 हजार 830 रुपये के बराबर है।

वैन गॉग द्वारा यह पेंटिंग 1887 में बनाई गई थी, जब वह पेरिस के बाहरी इलाके में बोटिंग हब के आस-पास मौजूद थे। वैन गॉग की इस पेंटिंग की बिक्री ने यह साबित कर दिया कि कला के प्रति रुचि आज भी उच्चतम स्तर पर बनी हुई है और यह आने वाले समय में और भी बढ़ने की संभावना है। यह पेंटिंग उनके द्वारा बनाई गई कुल 40 पेंटिंग में से एक है,जो उनके पुराने यथार्थवादी पेंटिंग बनाने के तरीके को छोड़कर एक जीवंत पैलेट और ब्रश के साथ बनी थी। वैन गॉग ने अपनी बहन विलेमियन को अक्टूबर 1887 में लिखे एक पत्र में कहा था कि उन्होंने उस गर्मी में असनीरेस में लैंडस्केप बनाते समय पहले से कहीं अधिक रंग देखे। जानकारी के अनुसार, हाउस ऑफ बॉर्बन टू सिसिली की राजकुमारी कैमिला ने इस पेंटिंग को वैन गॉग के करियर के महत्वपूर्ण क्षणों में से एक बताया।

उन्होंने कहा कि एशियाई बाजार में संग्रहकर्ताओं के मजबूत और बढ़ते आधार को देखते हुए पेंटिंग की बिक्री के लिए चीनी शहर का चयन किया गया, जो पश्चिमी कला में तेजी से रुचि रखते हैं। विन्सेंट वैन गॉग, जो 1853 में नीदरलैंड में जन्मे थे, पश्चिमी कला के सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली व्यक्तियों में से एक माने जाते हैं। उनकी मृत्यु 1890 में हुई, लेकिन इससे पहले तक उन्होंने लगभग 2,100 पेंटिंग बनाई, जिनमें से लगभग 860 तेल रंगों की थीं। गुरुवार को क्रिस्टी की हाई-प्रोफाइल नीलामी में 20वीं और 21वीं सदी की 45 अन्य पेंटिंग भी प्रदर्शित की गई, जो कला प्रेमियों के लिए एक अद्भुत अवसर थी।

हानिया, सिनवार और नसरल्लाह के खात्मे के बाद अब किसका नंबर है?

तेहरान,(ईएमएस)। नसरल्लाह की हत्या के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामनेई ने खुद को सुरक्षित जगह पर छिपा लिया है, जिससे यह संकेत मिलता है कि उन्हें भी इजरायली हमलों का डर सताने लगा है। अब देखना होगा कि इजरायल गाजा और लेबनान के बाद अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी ईरान पर भी हमला करता है या नहीं। इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से चल रही अदावत से दुनिया वाकिफ है, और इस नई घटना ने इस संघर्ष को और भी तीव्र बना दिया है। अब सवाल उठने लगा है कि आखिरकार हानिया,सिनवार और नसरल्लाह के बाद अब इजरायल की रडार पर कौन है।

नसरल्लाह की मौत के बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या इजरायल अपने दुश्मन ईरान से भी बदला लेगा, क्योंकि हिजबुल्लाह और हमास को पर्दे के पीछे से समर्थन देने वाला मुख्य खिलाड़ी ईरान ही है। हिजबुल्लाह के साथ लंबे समय से जुड़े नसरल्लाह ने संगठन को बेहद ताकतवर बनाया था, और ईरान के साथ उसके गहरे संबंध थे। नसरल्लाह की मौत के बाद, इजरायल के लिए राहत की सांस लेना स्वाभाविक है, क्योंकि हिजबुल्लाह अब एक बड़े झटके का सामना कर रहा है। इजरायल इससे पहले हमास के चीफ इस्माइल हानिया और याह्या सिनवार को भी मार चुका है, जिससे हमास की शक्ति को भी काफी कमजोर कर दिया गया था। 7 अक्टूबर के हमलों के बाद से इजरायल अपने दुश्मनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहा है, और अब उसने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह को मौत के घाट उतार दिया है। इजरायली सेना द्वारा की गई एयरस्ट्राइक में नसरल्लाह की मौत की पुष्टि खुद हिजबुल्लाह ने भी की है। नसरल्लाह का मारा जाना इजरायल के लिए एक बड़ी जीत मानी जा रही है, क्योंकि वह इजरायल का प्रमुख दुश्मन था और पिछले कई दशकों से लेबनान और ईरान की मदद से इजरायल के खिलाफ मोर्चा संभाले हुए था।

वीडियो वायरल : कनाडा में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने वालों की लाइन

कनाडा में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए लगी भारतीयों की लाइन से चीनी लड़की हैरान

ओटावा(ईएमएस)। कनाडा में भारतीयों की संख्या लगातार बढ़ती जा रहा ही है। यहां ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए भारतीयों की लंबी कतार लगी हुई थी। इसका वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें चीनी लड़की कनाड़ा में भारतीयों की संख्या देखकर हैरान है। इस वीडियो को सोशल मीडिया साइट एक्स पर शेयर किया गया है, जहां यह तेजी से चर्चा में आ गया है।

वीडियो में लड़की कनाडा में ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट सेंटर के बाहर खड़ी है और वहां मौजूद भारतीयों की संख्या को देखकर अपनी हैरानी जताती है। वीडियो में लड़की कहती है, यह ऐसा लगता है मानो मैं कनाडा में नहीं, बल्कि भारत में हूं। यह भयानक है। मैं ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट वाली जगह पर हूं और यहां हर तरफ भारतीय ही नजर आ रहे हैं। वीडियो में उसने वहां इंतजार कर रहे लोगों की तस्वीरें भी दिखाई।यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो गया है और इसे अब तक 2.8 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है।

हालांकि, इस वीडियो पर प्रतिक्रियाएं मिली-जुली रही हैं। कुछ यूजर्स ने लड़की के बयान को विडंबनापूर्ण बताया, क्योंकि कनाडा में चीनी अप्रवासियों की संख्या भी काफी अधिक है। एक यूजर ने लिखा, मैं कुछ साल पहले वैंकूवर गया था, वहां की 40 प्रतिशत आबादी चीनी अप्रवासी है, तो शायद उसे भी घर लौट जाना चाहिए। वहीं, दूसरे यूजर्स ने कनाडा में प्रवासियों के मुद्दे पर हो रही बहस का जिक्र किया, जिसमें आवास की कमी और रहने की बढ़ती लागत जैसी समस्याओं के लिए अप्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

विश्वयुद्ध के मुहाने पर दुनिया- नसरल्लाह की मौत के बाद मध्य पूर्व में तनाव

तेलअवीव(ईएमएस)। हिजबुल्लाह प्रमुख नसरल्लाह की मौत के बाद मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया है। खासकर इजरायल और ईरान के बीच तो कुछ हो सकता है,कि स्थित का अंदाजा लगाया जा रहा है। यहां तक कहा जाने लगा है कि इस वक्त दुनिया विश्वयुद्ध के मुहाने पर है। कभी भी कुछ भी हो सकता है। इस हमले के बाद से इलाके में भय और तनाव का माहौल है। लेबनान में लगभग 100,000 लोग विस्थापित हो गए हैं, जबकि इजरायल के उत्तरी क्षेत्र भी हिज़बुल्लाह के रॉकेट हमलों का सामना कर रहे हैं।

इजरायली हमले से लेबनान में अफरा-तफरी मच गई और कई रिहायशी इमारतें भी नष्ट हो गईं। लेबनानी अधिकारियों के अनुसार, बेरूत के आसपास हुए इन हमलों में छह लोगों की मौत हुई और 90 से अधिक लोग घायल हो गए। हिज़बुल्लाह ने अपने बयान में इस हमले को क्रूर बताते हुए कहा कि इसमें निर्दोष नागरिकों की जान गई है और संगठन ने किसी भी हथियार या मिसाइल भंडार की उपस्थिति को खारिज किया। इस हमले के बाद से इलाके में भय और तनाव का माहौल है। लेबनान में लगभग 100,000 लोग विस्थापित हो गए हैं, जबकि इजरायल के उत्तरी क्षेत्र भी हिज़बुल्लाह के रॉकेट हमलों का सामना कर रहे हैं।

इजरायल ने हाल ही में लेबनान में हिज़बुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह के मुख्यालय पर बड़े पैमाने पर हमला किया, जिससे क्षेत्र में भारी तबाही हुई। यह हमला शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात को बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में हुआ, जहां हिज़बुल्लाह का मुख्यालय स्थित था। इजरायली डिफेंस फोर्स ने नसरल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाकर 85 बंकर-बस्टर बम गिराए, जिससे नसरल्लाह के भूमिगत मुख्यालय में भारी नुकसान हुआ। इजरायल ने दावा किया कि इस हमले के दौरान नसरल्लाह भी मुख्यालय में मौजूद थे और उनकी मौत हो गई। हालाँकि, इस दावे की अब तक हिज़बुल्लाह या ईरान ने पुष्टि नहीं की है।

इजरायली सेना के अनुसार, इस हमले का मुख्य उद्देश्य हिज़बुल्लाह के हथियारों के भंडार को नष्ट करना था। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हमले को न्यायोचित ठहराते हुए कहा कि जब तक हिज़बुल्लाह इजरायल के खिलाफ हिंसा जारी रखेगा, इजरायल के पास अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इजरायली सेना ने दावा किया कि इस हमले में हिज़बुल्लाह के मिसाइल यूनिट के प्रमुख और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मारे गए।

विकास के रोल मॉडल गुजरात की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है एमएसएमई : मुख्यमंत्री

वडोदरा (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि देश के विकास के रोल मॉडल गुजरात में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। सरकार एमएसएमई उद्योगों को ग्लोबल प्लेटफार्म मुहैया कराने और दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाने के लिए सर्वग्राही प्रयास कर रही है। उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के माध्यम से 'विकसित गुजरात से विकसित भारत' के निर्माण के लिए सभी से प्रतिबद्ध होने का आह्वान किया। यह बात उन्होंने रविवार को वडोदरा में लघु उद्योग भारती गुजरात प्रदेश वडोदरा जिला की ओर से आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बड़ा परिवर्तन आया है। भारत में अनेक क्षेत्रों में संभावनाओं के नए द्वार खुले हैं। प्रधानमंत्री ने उन्नत और विकसित भारत का मंत्र दिया है। कृषि, सेवा और उद्योग, तीनों ही क्षेत्रों में समग्र विकास के जरिए विकसित भारत की राष्ट्रहित की भावना को बढ़ावा मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लघु उद्योग भारती उद्योग हित के साथ-साथ राष्ट्रहित के बारे में विचार करने वाला संगठन है, जो आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के लिए निरंतर कार्यरत है। उन्होंने उद्योग और राष्ट्र विकास के सामूहिक मंथन के लिए लघु उद्योग भारती द्वारा इस सम्मेलन के आयोजन को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के आयात को कम करने और निर्यात बढ़ाने के लिए देश में एमएसएमई उद्योग को प्रोत्साहन और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस यानी कारोबार सुगमता में सुधार के साथ-साथ मेक इन इंडिया कार्यक्रम शुरू किया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में मेक इन इंडिया कार्यक्रम के 10 वर्ष पूरे हो गए हैं। इन दस वर्षों में भारत मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन के क्षेत्र में पावर हाउस बन गया है। भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि स्पेस से लेकर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक से लेकर इलेक्ट्रिक वाहन जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ने के साथ ही आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता भी बन गया है। उन्होंने संगठन और उद्योग के बीच सरकार द्वारा निभाई जा रही उत्प्रेरक की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि लघु उद्योग भारती छोटे उद्योगों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान कर उन्हें मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में क्लस्टर आधारित विकास और वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट नीति को भी बढ़ावा मिल रहा है। भारत को कला विरासत में मिली है। इस कला-कारीगरी को विकसित करने में लघु उद्योग भारती ऐसे क्लस्टरों को फिर से मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। लघु उद्योग भारती और उसके साथ जुड़े सभी लोग देश की विकास यात्रा के सहभागी बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्र प्रथम की भावना प्रबल बनी है। लघु उद्योग भारती राष्ट्रहित की भावना के साथ देश में उत्पादन बढ़ाने, रोजगार पैदा करने तथा स्थानीय उद्योगों को गति देने के लिए काम कर रही है। यह संगठन गुजरात के सभी जिलों में कार्यरत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता के चलते आज देश में नवाचार को प्रोत्साहन मिला है। इसके कारण नई टेक्नोलॉजी का प्रयोग बढ़ा है। यह बहुत आवश्यक है कि देश में विकसित टेक्नोलॉजी को छोटे और मध्यम उद्योगों के साथ जोड़ा जाए। नई टेक्नोलॉजी से छोटे उद्योगों की उत्पादकता में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने विश्वास जताया कि लघु उद्योग भारती द्वारा इस दिशा में काम किया जाए तो छोटे उद्योगों को बहुत बड़ा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री का लक्ष्य मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड है। अब हमें दुनिया के बाजार को जीतने की दिशा में आगे बढ़ना है। दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा में टिकने के लिए प्रधानमंत्री ने जीरो इफेक्ट-जीरो डिफेक्ट का मंत्र दिया है। यह समय की मांग है कि लघु उद्योग भारती इस दिशा में एमएसएमई के लिए अधिक इको फ्रेंडली एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन को बढ़ाने के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात और देश भर में प्रभावशाली नीतियों के कारण एमएसएमई उद्योगों के लिए सुदृढ़ इकोसिस्टम का निर्माण हुआ है। गुजरात पूंजी निवेश के लिए देश के सर्वाधिक पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभरा है। गुजरात में सुदृढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं, प्रगतिशील नीतियों और कारोबार सुगमता के प्रति प्रतिबद्धता के कारण एमएसएमई सेक्टर गतिशील बना है। इतना ही नहीं, गुजरात में सेक्टर-आधारित नीतियां, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, उत्तम मानवबल की उपलब्धता और मजबूत कानून व्यवस्था भी एमएसएमई सेक्टर को तेजी रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में इस वर्ष 48 लाख करोड़ रुपए से अधिक का बजट पेश किया गया है। इस बजट में एमएसएमई को मजबूत कर रोजगार सृजन पर विशेष बल दिया गया है। केंद्रीय बजट में एमएसएमई सेक्टर के लिए घोषित की गई नीतियों की विस्तार से जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि भारत जब तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है, तब नए क्षेत्रों, खास तौर पर उभरते हुए क्षेत्रों में संभावनाएं बढ़ रही हैं। इससे नए उद्योगों और स्टार्टअप के लिए अनेक नई राह खुलेंगी। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती एमएसएमई को राज्य सरकार की नीतियों से अवगत कराए। उन्होंने आश्वासन दिया कि एमएसएमई की समस्याओं के निराकरण के लिए सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी है।

लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्यामभाई ओझा ने कहा कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान लगभग 35 फीसदी है। आज गुजरात एमएसएमई के माध्यम से विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती संगठन के अंतर्गत उद्यमियों के विकास के लिए 1994 में 50 उद्यमियों के साथ मिलकर संगठन की शुरुआत हुई थी। आज देश के 490 जिलों के 55 हजार से अधिक उद्यमियों को जोड़कर लघु उद्योग भारती एक विशाल वट वृक्ष बन गया है। लघु उद्योग भारती के गुजरात और राजस्थान के प्रभारी बलदेवभाई प्रजापति ने कहा कि लघु उद्योग भारती दूसरे संगठनों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि समन्वय स्थापित कर आगे बढ़ने वाला संगठन है। इस संगठन द्वारा महिला को सशक्त बनाने तथा अर्थव्यवस्था में उनका योगदान सुनिश्चित करने के लिए महिला उद्यमियों के उत्पाद को 'स्वयं सिद्धा' नामक प्रदर्शनी के माध्यम से बाजार तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वावलंबी अभियान के जरिए प्रत्येक जिले में संगठन का कार्यालय बनाने तथा लघु उद्योगों की सहायता के लिए अथक प्रयास किए जा रहे हैं। इसके साथ ही, संगठन वाटर ऑडिट में भी भारत सरकार के साथ मिलकर महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

गुजरात में बरसाती माहौल के बीच मौसम विभाग की नई भविष्यवाणी, आज से घटेगा जोर

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर समेत गुजरातभर में बरसाती माहौल के बीच मौसम विभाग की नई भविष्यवाणी सामने आई हैं दक्षिण गुजरात को छोड़ गुजराच के अन्य हिस्सों में कल से बारिश का जोर कम होगा मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को राज्य में बारिश की संभावना नहीं के बराबर हैं केवल अहमदाबाद और गांधीनगर में हलके से मध्यम बारिश हो सकती हैं 3 अक्टूबर से शुरू हो रही शारदीय नवरात्रि के दौरान भी बारिश की फिलहाल कोई संभावना नहीं लगती हांलाकि दक्षिण गुजरात में नवरात्रि के दौरान बारिश हो सकती हैं मौसम विभाग के मुताबिक अहमदाबाद और गांधीनगर में हलकी बारिश की संभावना हैं इसके अलावा बनासकांठा, पाटण, मेहसाणा, अरवल्ली, खेडा, आणंद, पंचमहल, दाहोद, महीसागर, भरुच, वडोदरा, नर्मदा, डांग, तापी, सूरत, वलसाड, नवसारी, दमन दादरा नगर हवेली में मध्यम बारिश का पूर्वानुमान हैं वहीं सौराष्ट्र के सुरेन्द्रनगर, राजकोट, जामनगर, पोरबंदर, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, मोरबी, द्वारका, गिर सोमनाथ, बोटाद, कच्छ और दीव में हलकी बारिश हो सकती हैं

सोमनाथ में तोड़फोड़ पर गेनीबेन ठाकोर का बयानः 'गरीबों के दिल के दर्द से भगवान कभी खुश नहीं होते'

सोमनाथ,29 सितंबर

जेनीबेन का बयान, ''अगर कांग्रेस ने गाय के कत्लखानों से चुनावी फंड लिया है...'' गिर सोमनाथ जिले में सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के पास शुक्रवार को तंत्र द्वारा विध्वंस के लिए 36 बुलडोजर का इस्तेमाल किया गया। सिस्टम ने कहा है कि यह सोमनाथ विकास परियोजना के तहत किया जा रहा है। लोगों ने सिस्टम की इस कार्रवाई का जमकर विरोध भी किया। हालांकि, अब इस मामले पर राजनीति गरमा गई है और बनासकांठा से कांग्रेस सांसद गनीबेन ठाकोर ने सोमनाथ विध्वंस को लेकर बयान दिया है।

गेनीबेन ठाकोर ने सोमनाथ विध्वंस कार्रवाही पर बयान देते हुए कहा कि किसी भी धार्मिक स्थान पर दबाव कभी स्वीकार्य नहीं हो सकता, चाहे वह सोमनाथ हो या अयोध्या। लेकिन जो गरीब परिवार कई वर्षों से छोटे-बड़े व्यवसाय कर अपनी जीविका चला रहा है, उसे इस तरह से दो मकान बनाना ठीक नहीं है। सरकार की इस कार्रवाई से ये गरीब लोग नीचे धरती के समान हो गये हैं। सिस्टम को यह कार्रवाई करने से पहले गरीबों के लिए प्रावधान करना चाहिए और फिर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करनी चाहिए।

गनीबेन ठाकोर ने कहा, गरीबों पर अत्याचार करने वाले लोगों से भगवान कभी खुश नहीं हो सकते। इसके अलावा गनीबेन ने एमिटी संधि अधिनियम को रद्द करने की भी मांग की। जिन्होंने कहा कि ऐसे कानून वर्ग विद्वेष बढ़ाते हैं।

बता दें कि पिछले मार्च से चल रहे सर्वे के पूरा होने के बाद सरकार ने बुलडोजर ऑपरेशन शुरू किया था। सोमनाथ मंदिर के पीछे सरकारी जमीन पर दबाव हटाने के लिए सरकार ने कार्रवाई की. सरकार की इस कार्रवाई का लोगों ने कड़ा विरोध किया, लेकिन सिस्टम ने पुलिस बेड़े को साथ रखकर तोड़फोड़ की कार्रवाई को अंजाम दिया।

सरखेज पीसीबी ने कार का पीछा कर 1200 बोतल शराब जब्त की

अहमदाबाद,29 सितंबर

शहर के साणंद शांतिपुरा सर्कल के पास शुक्रवार को वीरमगाम से शराब लेकर आ रहे बूटलेगर की कार को पकड़ने की कोशिश में बूटलेगर ने पुलिस की कार को टक्कर मार दी। तो पुलिस ने उसका पीछा कर 1200 बोतल विदेशी शराब जब्त कर लिया. इस दुर्घटना में शराब ले जा रहा शराब तस्कर घायल हो गया और उसे इलाज के लिए भेजा गया. प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बूटलेगर को राजस्थान से शराब की मात्रा लानी थी और इसे नरोडा में बूटलेगर को सप्लाई करना था। पुलिस ने इस संबंध में आगे की जांच शुरू कर दी है. पीसीबी के पीआईएमएस चौधरी को निश्चित जानकारी मिली कि शुक्रवार की रात एक व्यक्ति कार में शराब की मात्रा लेकर राजस्थान से वीरमगाम होते हुए सरखेज शांतिपुरा सर्कल से गुजरने वाला है।

इसके आधार पर पीएसआई वीडी खांट और उनके स्टाफ ने शांतिपुरा सर्किल के पास कार को रोकने के लिए सड़क पर दो अन्य कारों का बैरिकेड लगा दिया। लेकिन, कार रोकने के बजाय, बूटलेगर ने एक कार को टक्कर मार दी और सनाथल सर्कल की ओर भाग गया। तो पुलिस का पीछा दूसरी कार से किया गया। इस समय, बूटलेगर ने दूसरी कार को टक्कर मार दी और ब्रेक लगा दिया, जिससे पुलिस की कार क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बाद पुलिस ने शराब तस्करों की कार की तलाशी ली तो 1200 बोतल शराब मिली। प्रारंभिक जांच में मृतक का नाम रमेश बिश्नोई (निवासी झालोर, राजस्थान) बताया गया।

शराब की मात्रा सांचोर के लालभाई नामक बूटलेगर द्वारा भरी गई थी और नरोडा में सुरेंद्र सिंह भाटी नामक स्थानीय बूटलेगर को दी जानी थी। हादसे में घायल रमेश बिश्नोई को उपचार के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया। इस पूरे मामले में सरखेज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है।

गुजरात की दायिनी सरदार सरोवर नर्मदा बांध ऑवरफ्लो होने से मात्र 22 सेमी दूर

अहमदाबाद (ईएमएस) ऊपरी हिस्से में भारी बारिश के कारण गुजरात की जीवनदायिनी माने जाते सरदार सरोवर नर्मदा बांध ऑवरफ्लो होने से केवल 22 सेंटीमीटर दूर रह गया हैं अपस्ट्रीम में भारी बारिश के कारण नर्मदा बांध का जल स्तर 24 घंटे में 2 सेमी बढ़ गया है। नर्मदा बांध 99.25 प्रतिशत भर चुका है। नर्मदा बांध का लेवल 138.46 मीटर तक पहुंच गया हैं नर्मदा बांध का अधिकतम जलस्तर 138.68 मीटर हैं नर्मदा बांध में 1 लाख 44 हजार क्यूसेक से ज्यादा पानी की आय हो रही है। जबकि नर्मदा नदी में 1 लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा जा रहा हैं जिसके चलते वडोदरा, भरूच और नर्मदा जिले के नदी किनारे के 42 गांवों को अलर्ट कर दिया गया हैं नर्मदा बांध को अधिकतम स्तर तक पहुंचने में मात्र 22 सेमी ही शेष रह गया है। जिसके चलते नर्मदा बांध के 10 गेट 1.35 मीटर खोले गए हैं दूसरी ओर अगले 24 घंटों में राज्य के कुछ इलाकों में बारिश का पूर्वानुमान हैं मौसम विभाग ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई हैं साथ ही अगले 2 दिनों के बाद राज्य में मानसून की सक्रियता कम हो जाएगी दक्षिण गुजरात के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई गई हैं जबकि सौराष्ट्र के कुछ हिस्सों में भी बारिश होने की संभावना हैं राहत की बात यह है कि अगले 24 घंटों के बाद राज्य में बारिश की तीव्रता कम होने की संभावना हैं

राणिप-नवा वाडज वार्ड में 20 करोड़ की लागत से भूमिगत-ओवरहेड टैंक बनाने का प्रस्ताव स्वीकृत

अहमदाबाद, 29 सितंबर

अहमदाबाद नगर पालिका की जल समिति की बैठक में राणिप और नवा वाडज वार्ड में बीस करोड़ रुपये की लागत से भूमिगत और ओवरहेड पानी की टंकी बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। रानीप वार्ड में 25 लाख लीटर क्षमता का ओवरहेड टैंक बनाया जाएगा। रानीप वार्ड में 11 लाख लीटर क्षमता का अंडरग्राउंड टैंक और 25 लाख लीटर क्षमता का ओवरहेड टैंक तैयार किया जायेगा।

राणिप वार्ड में शामिल न्यू राणिप में ड्राफ्ट टीपी स्कीम नंबर-66-ए के अंतिम प्लॉट नंबर-11 में 11.52 लाख लीटर क्षमता की भूमिगत पानी टंकी और 25 लाख लीटर क्षमता वाले ओवरहेड टैंक के साथ पंप हाउसऔर24मीटर ऊंचाई वाले ओवरहेड टैंक का निर्माण कराया जाना है।

समिति ने बालोलनगर जल वितरण में 24 लाख लीटर की क्षमता के साथ 16.20 करोड़ रुपये की लागत से संचालन और रखरखाव के लिए ठेकेदार केके कंस्ट्रक्शन के रूप में एचएम इलेक्ट्रो.मैक को काम करने की मंजूरी दे दी है स्टेशन नवा वाडज वार्ड में टैंक बनाने वाले ठेकेदार विनोद एच पटेल को 3.80 करोड़ रुपये की लागत से काम करने की अनुमति दी गई है.

मानसून की तरह सर्दी भी होगी भयंकर, जल्दी शुरू होगी जानलेवा ठंड?

वडोदरा ,29 सितंबर

गुजरात में बारिश की भविष्यवाणी: सौराष्ट्र समेत दक्षिण गुजरात और मध्य गुजरात के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो रही है, मौसम विभाग ने आज रविार के लिए राज्य के 10 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। जिसके मुताबिक कई जिलों में भारी बारिश की खबर है. उधर, मौसम विशेषज्ञ अंबालाल ने नवरात्र और शरद पुनम पर भी बारिश की संभावना जताई है। इसके साथ ही सर्दी को लेकर भी अहम भविष्यवाणियां की गई हैं.

मौसम विशेषज्ञ अंबालाल पटेल ने कहा, 'मौसम में बदलाव के कारण शरद पूर्णिमा के बाद भी राज्य के कुछ इलाकों में हल्की बारिश का मौसम रहेगा. इसके साथ ही दिवाली तक मौसम बदल जाएगा और समुद्री क्षेत्र में तेज हवाएं चल सकती हैं. 18 से 20 अक्टूबर तक बंगाल की खाड़ी में भारी तूफान आने की आशंका है, इसलिए 22 अक्टूबर तक तूफान आ सकता है.'

अंबालाल कहते हैं, '29 अक्टूबर से सर्दी की शुरुआत से राज्य प्रभावित होगा, जबकि देश के उत्तरी पहाड़ी इलाकों में बारिश की संभावना के कारण दिसंबर के महीने में कड़ाके की ठंड पड़ेगी. इस बीच, मौसम विज्ञानियों द्वारा ला नीनो के प्रभाव की जानकारी दी गई है। भूस्खलन भी संभव है क्योंकि देश के उत्तरी पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी की संभावना है।'

राज्य में आज (29 सितंबर) तक सीजन की औसत की 136 फीसदी बारिश हो चुकी है. जिसमें सबसे ज्यादा बारिश कच्छ जोन में 185 फीसदी, सौराष्ट्र जोन में 145 फीसदी, दक्षिण गुजरात जोन में 141फीसदी, पूर्व-मध्य गुजरात जोन में 132 फीसदी और उत्तरी गुजरात जोन में 114फीसदी दर्ज की गई है.

नगरपालिका प्रणाली को नुकसान से बचाने के लिए एसओपी के अनुसार एएमसी ठेकेदारों को काली सूची में डालने की कार्रवाई लागू की जाएगी

अहमदाबाद,29 सितंबर,

विभिन्न विभागों द्वारा नियमों के कार्यान्वयन में देरी के कारण, नगर निगम आयुक्त ने अहमदाबाद नगर निगम सरकार द्वारा जारी निविदाओं और अनुबंधों में ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया की घोषणा की है मामले मध्यस्थता में जा रहे हैं और सरकार को आर्थिक नुकसान होने के साथ-साथ कुछ फैसले या फैसले भी खिलाफ आ रहे हैं।

नगर निगम के विभिन्न प्रकार के कार्यों को करने के लिए निविदाएं या अनुबंध किये जाते हैं, कुछ मामलों में ठेकेदार द्वारा कार्य न करने के कारण नगर निगम प्रणाली द्वारा उसे काली सूची में डालने का निर्णय लिया जाता है। इस स्थिति के कारण, कुछ मामलों में, ठेकेदार नगर पालिका द्वारा ठेकेदारों के खिलाफ की गई कार्रवाई के खिलाफ मध्यस्थता में चले जाते हैं। मध्यस्थता में जाने वाले मामलों में से कुछ मामलों में बहुत लंबा समय लगता है, साथ ही निर्णय नगरपालिका प्रणाली के विरुद्ध जाता है, जिससे प्रणाली पर लागत का बोझ बढ़ जाता है। इस स्थिति से बचने के लिए नगर आयुक्त ने 24 सितंबर को एक विस्तृत एसओपी तैयार की है, जिसे कानूनी समिति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा.

केंद्रीय सतर्कता आयोग के मानक प्रावधानों के अनुसार, किसी भी निविदा या अनुबंध में विवाद के मामले में, एक मध्यस्थ ठेकेदार से और एक मध्यस्थ सरकार से नियुक्त किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी निर्णय सरकार के पक्ष में न जाएं। प्राकृतिक न्याय का सिद्धांतः ऐसे मामलों में जहां मध्यस्थ द्वारा दिया गया पुरस्कार या निर्णय ठेकेदार या सरकार को स्वीकार करना पड़ता है।

अचानक ब्रेक लगने से बस से बाहर गिरे 68 वर्षीय यात्री की मौत

मेहसाणा (ईएमएस) जिले के केसरपुरा पाटिया के निकट हुए एक हादसे में गुजरात राज्य पथ परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) की बस में सवार एक वृद्ध यात्री की मौत हो गई यह घटना उस समय हुई जब बस के ड्राइवर ने कार को बचाने के प्रयास में अचानक ब्रेक लगाई अचानक ब्रेक लगने से बस की अगली सीट पर बैठे 68 वर्षीय वृद्ध यात्री बाहर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए अस्पताल में उपचार मिलने से पहले उनकी मौत हो गई जानकारी के मुताबिक 68 वर्षीय मुकेशभाई कनुभाई दवे अपनी पत्नी के साथ सूरत जाने के लिए अंबाजी से वाघोडिया जा रही बस की अगली सीट पर बैठे थे। खेरालु-सतलासाना हाईवे पर केसरपुरा पाटिया के पास एक कार अचानक बस के सामने आ गई हड़बड़ाहट में जीएसआरटीसी बस के ड्राइवर ने कार को बचाने के लिए अचानक ब्रेक लगा दिया अचानक ब्रेक लगने से मुकेशभाई दवे बस से नीचे सड़क पर गिर गये।

एक लॉरी में तोड़फोड़ की गई और एक अधेड़ व्यक्ति को पाइप से पीट-पीटकर मार डाला

अहमदाबाद,29 सितंबर

अमराईवाड़ी में नाश्ते की लॉरी पर नाश्ता बनाने को लेकर विवाद हो गया और लॉरी मालिक ने अधेड़ को पाइप से मारकर लहूलुहान कर दिया, यह कहकर कि वह बहुत मोटा है, लॉरी मालिक धमकी देकर भाग गया तोड़फोड़ करके. इस घटना को लेकर अमराईवाड़ी पुलिस मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

उसने हमारा नाम लेने पर हमें जान से मारने की धमकी दी और गंभीर हालत में एक अधेड़ उम्र के नागरिक का इलाज चल रहा था और भाग गया।

अमराईवाड़ी के सुखराम नगर चार रोड के पास रहने वाले आधे ने अमराईवाड़ी पुलिस स्टेशन में गोमतीपुर में रहने वाले दो लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है कि आरोपी कल रात 10.30 बजे नाश्ता करने आए।

नाश्ता करने के बाद खाना बनाने को लेकर उनमें विवाद हो गया और अधेड़ को ज्यादा मोटा बताकर पाइप से पीटने के बाद आरोपी लॉरी में तोड़फोड़ करने और महिला को जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। इस घटना को लेकर अमराईवाड़ी पुलिस मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

चाणक्यपुरी में असामाजिक तत्वों का आतंक, तलवार-हथियार से समाज में उत्पात

अहमदाबाद,29 सितंबर

अहमदाबाद के चाणक्यपुरी इलाके की शिवक आर्केड सोसायटी में हथियारबंद असामाजिक तत्वों ने आतंक मचाया है. तलवारों और अन्य हथियारों के साथ भीड़ के सोसायटी में घुसने से लोगों में डर फैल रहा है। पूरी घटना की सूचना पुलिस को दी गई और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की.

जानकारी के मुताबिक, चाणक्यपुरी की शिवम आर्केड सोसायटी में असामाजिक तत्वों का एक समूह तलवार, पत्थर और अन्य घातक हथियारों के साथ सोसायटी में घुस आया और हंगामा किया.

स्थानीय लोगों का कहना है कि, 'कुछ दिन पहले एक किराए के मकान में पांच लोगों ने शराब की दावत की थी. इसके बाद महिला के साथ समाज में छेड़छाड़ की गई। इसलिए जब सुरक्षा गार्ड सहित लोगों ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की, तो तीनों लोग भाग गए और 20 से अधिक लोगों के समूह को बुला कर हंगामा शुरू कर दिया। जिसमें सुरक्षा केबिन और वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

हृदय रोगियों के लिए आशा की किरण बना गुजरात का यू. एन. मेहता अस्पताल

अहमदाबाद (ईएमएस) हाल के वर्षों में, गुजरात उन्नते हृदय देखभाल के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरा है, जो भारत और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार से आने वाले मरीजों के लिए आशा की किरण बन गया है। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों और वर्तमान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा स्वास्थ्य अवसंरचना में किए गए सुधारों ने गुजरात को भारत में हृदय रोग के उपचार के लिए उत्कृष्टता का मॉडल स्थापित करने में मदद की है। प्रत्येक वर्ष 29 सितंबर को मनाए जाने वाले विश्व हृदय दिवस पर गुजरात के यू. एन. मेहता अस्पताल के प्रयासों पर चर्चा करना महत्वपूर्ण है। अहमदाबाद स्थित यू. एन. मेहता कार्डियोलॉजी और रिसर्च सेंटर गंभीर हृदय रोगों से जूझ रहे लोगों के लिए आशा की किरण बनकर उभरा है। अपने समर्पित मेडिकल स्टाफ और अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ, इस संस्थान ने अनगिनत लोगों की जिंदगियों को बदल दिया है।

''जब हमें पता चला कि हमारे 4 महीने के बच्चे को गंभीर बीमारी है, तो हमारे पैरों तले ज़मीन खिसक गई। हमें अपने मासूम बच्चे की बहुत चिंता थी और यह सोच कर दिल बैठा जा रहा था कि हमारा बेटा ठीक हो भी पाएगा या नहीं। हृदय रोग के उपचार की लागत की बात सोचते ही हमारा दिल बैठ जाता था। लेकिन फिर हमें यू. एन. मेहता अस्पताल के बारे में पता चला और हमने अपने बच्चे का इलाज वहाँ कराने का फैसला किया। जिस तरह की स्वास्थ्य सुविधाएँ और प्यार व देखभाल हमें यू. एन. मेहता अस्पताल में मिली, उससे हम अभिभूत हो गए। गुजरात सरकार के स्कूल हेल्थ प्रोग्राम और यू. एन. मेहता अस्पताल में मिले मुफ्त इलाज की वजह से हमारा बेटा आज पूरी तरह स्वस्थ है और हमारे साथ है।'' ये भावपूर्ण शब्द गुजरात के जूनागढ़ जिले के केशोद की रहने वाली हिनाबेन और उनके पति सुरेशभाई के हैं, जिन्होंने अपने 4 महीने के बेटे घनश्याम का गंभीर हृदय रोग का इलाज यू. एन. मेहता अस्पताल में कराया। विशेषज्ञ देखभाल और उपचार के कारण उनका बच्चा एक नया जीवन प्राप्त कर सका। घनश्याम की सर्जरी 26 जुलाई 2024 को यू. एन. मेहता अस्पताल में हुई थी।

गांधीनगर के 16 वर्षीय प्रणय सिंह वाघेला ने यू. एन. मेहता संस्थान में हृदय प्रत्यारोपण करवाया और अब वह एक स्वस्थ जीवन का आनंद ले रहे हैं। अपने अनुभव के बारे में बताते हुए प्रणय कहते हैं, ''सर्जरी से पहले मैं बहुत डरा हुआ था, लेकिन स्टाफ ने मुझे घर जैसा महसूस कराया और डॉक्टरों ने बहुत ही कुशलता से मेरा हृदय प्रत्यारोपण किया, जिससे मुझे एक नया जीवन मिला। यह प्रक्रिया गुजरात सरकार के स्कूल हेल्थ चेकअप प्रोग्राम के तहत की गई, और इस पहल के अंतर्गत पहली बार हृदय प्रत्यारोपण करना पड़ा। मैं इस जीवनदान के लिए दाता और पूरी डॉक्टर व नर्सों की टीम का जीवनभर आभारी रहूँगा।'' प्रणय का हृदय प्रत्यारोपण 27 सितंबर 2022 को हुआ था। ये मार्मिक कहानियाँ यू. एन. मेहता संस्थान में आशा, साहस और दयालु देखभाल की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रतीक हैं, क्योंकि यहाँ हर धड़कन मायने रखती है।

पिछले पांच वर्षों में, यू. एन. मेहता इंस्टीटयूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर ने अपने हार्ट प्रोसीजर्स की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, जो 2020 में 13,615 से बढ़कर 2023 में 29,510 हो गई। वहीं, अगस्त 2024 तक, राज्य में 19,560 प्रोसीजर्स पूरे किए जा चुके हैं, जो भारत में हृदय देखभाल में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती हैं। यू. एन. मेहता इंस्टीटयूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर जटिल सर्जरी के लिए भी एक केंद्र बनता जा रहा है। यहाँ की गई हृदय सर्जरी की संख्या 2020 में 3,267 से बढ़कर 2023 में 7,438 हो गई, और अगस्त 2024 तक 5,440 सर्जरी हो चुकी हैं, जिनमें कई उच्च जोखिम वाले हस्तक्षेप शामिल हैं।

दुर्गा पूजा समेत त्योहारों के लिए फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों के 6,000 से अधिक फेरे चलाए जाएंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय रेल द्वारा इस वर्ष 519 स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इन स्पेशल ट्रेनों का संचालन 1 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच किया जाएगा। रेलवे अधिकारी के मुताबिक़ हर साल त्योहारों के अवसर पर रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाता है। इस वर्ष इन स्पेशल ट्रेनों की संख्या में भारी बढ़ोतरी की गई है। इनमें से, पश्चिम रेलवे 86 फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों के साथ 1,382 फेरे चला रहा है, जो पूरे भारतीय रेलवे में सबसे अधिक है।

गौरतलब है कि दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पर्वों के दौरान लाखों की संख्या में यात्री सफर करते हैं। यात्रियों की भारी भीड़ को सुगम एवं आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए रेलवे द्वारा इस वर्ष भी विशेष ट्रेनों का संचालन करने की तैयारी की गई है। दो महीने की अवधि के दौरान ये स्पेशल ट्रेनें लगभग 6000 फेरे लगाएंगी और बड़ी तादाद में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने का काम करेंगी। पिछले वर्ष भी भारतीय रेल द्वारा बड़ी संख्या में त्योहार स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया था और इन ट्रेनों ने कुल 4,429 फेरे लगाए थे, जिनके माध्यम से लाखों की संख्या में यात्रियों को आरामदायक यात्रा की सुविधा प्राप्त हुई थी। जाहिर है कि हर साल दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा के अवसर पर देश भर से बड़ी संख्या में लोग उत्तर प्रदेश और बिहार की ओर प्रस्थान करते हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए ये त्योहार न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि परिवारों से मिलने का भी एक अहम अवसर होते हैं। हर साल त्योहारों के दौरान यात्रियों की भीड़ की वजह से अधिकांश ट्रेनों में दो-तीन महीने पहले से ही टिकट वेटिंग लिस्ट में चली जाती है। इसी को देखते हुए रेलवे द्वारा इस वर्ष भी त्योहारों के अवसर पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा हैं इस वर्ष, पश्चिम रेलवे ने 86 स्पेशल ट्रेनों की अधिसूचना जारी की है, जो 1,380 से अधिक फेरे लगाएंगी। पिछले वर्ष की तुलना में, पश्चिम रेलवे ने 21 और ट्रेनें जोड़ी हैं और लगभग 270 अतिरिक्त फेरे बढ़ाए हैं, ताकि त्योहारी सीजन के दौरान बढ़ती यात्रा मांग को पूरा किया जा सके। ये ट्रेनें उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर भारत, उत्तर पूर्व आदि के गंतव्यों के लिए चलाई जा रही हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई से देश के विभिन्न गंतव्यों के लिए 14 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसी प्रकार, सूरत/उधना से यात्रियों की भारी मांग को पूरा करने के लिए 8 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जबकि 20 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें सूरत/उधना या भेस्तान से होकर गुजर रही हैं। इसी तरह, गुजरात के अन्य स्टेशनों जैसे वापी, वलसाड, वडोदरा, अहमदाबाद, साबरमती, हापा, ओखा, राजकोट, भावनगर टर्मिनस आदि से स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, साथ ही मध्य प्रदेश के इंदौर, डॉ. अंबेडकर नगर और उज्जैन से भी स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

पश्चिम रेलवे-राजकोट

विभिन्न कार्य

बिजली विभाग (निर्माण)

क्रम संख्या 1: ई-निविदा सूचना सं. ईएल/सी/आरजेटी/टीडब्लू-क्रेन/2024-25, कार्य का नाम: राजकोट में 2 वर्षों के लिए निर्माणाधीन 8-व्हीलर टावर वैगनों और वैगन माउंटेड रेल क्रेनों का निवारक रखरखाव और मरम्मत/ओवरहाल। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 1,34,01096.88/- **कार्य पूरा करने की अवधि:** 02 वर्ष। **क्रम संख्या 2: ई-निविदा सूचना सं. ईएल/सी/आरजेटी/टी07/जीएस/2024-25, कार्य का नाम:** राजकोट-कनालूस के बीच स्टाफ क्वार्टरों और सेवा भवनों का विद्युतीकरण एवं वायरिंग। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 1,71,19,796.68/- **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महीने। **उपरोक्त दोनों निविदाओं के लिए: जमा की जाने वाली बयाना राशि:** IREPS पोर्टल पर निर्दिष्ट। **बोली प्रस्तुत करने और खोलने की तारीख और समय:** IREPS पोर्टल पर निर्दिष्ट। **निविदा शुल्क:** IREPS पोर्टल पर निर्दिष्ट। वेबसाइट विवरण और नोटिस बोर्ड जहां निविदा का विवरण देखा जा सकता है और कार्यालय का पता: **www.ireps.gov.in** नोटिस बोर्ड एवं कार्यालय उप मुख्य बिजली इंजीनियर (निर्माण), पश्चिम रेलवे, कोठी कम्पाउंड-राजकोट (गुजरात-360001) 101

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक - प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95